सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 95 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 17 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय से मिले पूर्व राज्यपाल बैस

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर बैस ने मुख्यमंत्री साय को आगामी 01 फरवरी को राजधानी रायपुर में विश्व धर्म चेतना मंच एवं सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के सान्निध्य में आयोजित होने वाले सिद्धि शक्ति महाआशीर्वाद कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम के आमंत्रण के लिए श्री रमेश बैस के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मोहित कुमार सरावगी, सरिता सरावगी, मारुति शर्मा, रमेश सिंघानिया एवं सूर्य प्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

जशपुर पुलिस ने 10 गौवंश मुक्त कराए, पिकअप जब्त

जशपुर। जशपुर पुलिस ने गौ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन शंखनाद' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। दुलदुला थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने तस्करों के चंगुल से 10 गौवंशों को मुक्त कराया। इस दौरान तस्कर पुलिस वाहन को टक्कर मारकर फरार हो गए, जबकि तस्करी में पिकअप जब्त कर लिया गया है। दरअसल, 15 जनवरी की रात करीब 1:30 बजे दुलदुला पुलिस की टीम रात्रि गश्त पर थी। तभी सूचना मिली कि एक संदिग्ध में गोवंश भरकर कुनकुरी से दुलदुला होते हुए खूंटी टोली के रास्ते झारखंड ले जाए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही दुलदुला पुलिस आसनबहार-खूंटी टोली मार्ग पर नाकाबंदी कर पिकअप को पकड़ा गया।

सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत

जीपीएम। जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र के पीथमपुरङ्कबेदरचुआ मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

बीजापुर नेशनल पार्क में एनकाउंटर दो नक्सली ढेर, शव-हथियार बरामद

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर चला ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर के बीजापुर नेशनल पार्क क्षेत्र जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया और उनके शव-हथियार बरामद कर लिए गए हैं। शवों की पहचान जारी है। इलाके में नक्सली लीडर पापाराव के साथ बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर फोर्स को रवाना किया गया था। तभी जवानों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। पापाराव, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का इकलौता सदस्य है और यह क्षेत्र का इंचार्ज भी है। मौके एके-47 बरामद किए गए हैं।

शनिवार सुबह से ही संयुक्त टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक, जिले के नेशनल पार्क के घने जंगलों में आज सुबह से सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच रुक रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर ऑपरेशन शुरु किया था। सुरक्षाबलो की संयुक्त टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी बीच जवानों और नक्सलियों में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है।

रुक-रूककर हो रही फायरिंग, बड़े लीडर्स के होने की चर्चा

मुठभेड़ के बाद मौके से दो एके 47 रायफल के बरामद होने की खबर है। दूसरी ओर बताया जा रहा है कि जिस इलाके में यह मुठभेड़ चल रही है, उस इलाके में कुछ बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी की सूचना है। मुठभेड़ में नक्सलियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी का चीफदिलिप बेड़जा मारा गया है। दिलिप बेड़जा के साथ एक अन्य नक्सली का शव बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर नक्सलियों का बड़ा चेहरा पापाराव की मौजूदगी की भी खबर है। पूरे इलाको को सुरक्षाबलों ने घेर रहा है, ऑपरेशन अभी जारी है और रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर एसआईएचएम में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नया रायपुर स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफहोटल मैनेजमेंट ने 2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के अधीन यह संस्थान राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी परिषद से संबद्ध है, जहां 100 प्रतिशत प्लेसमेंट के साथ युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की नौकरियां मिल रही हैं।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रायपुर, छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग द्वारा संचालित एक अग्रणी संस्थान है। संस्थान द्वारा तीन वर्षीय पूर्णकालिक बीएससी हॉस्पिटैलिटी एवं होटल एडमिनिस्ट्रेशन की 80 सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। संस्थान में प्रवेश नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से हो रही है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आवेदन अधिकारिक वेबसाइट पर न्यू रजिस्ट्रेशन से करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जनवरी 2026 है। शैक्षणिक योग्यता किसी भी विषय में 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं। कक्षा बारहवीं में एक विषय के रूप में अंग्रेजी अनिवार्य है। आयु संबंधी किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है। आवेदन के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरकर शुल्क जमा करना है, और सबमिट करना है। प्रवेश परीक्षा 25 अप्रैल 2026 को होगी, जिसके परिणाम की घोषणा मई 2026 में की जाएगी। ऑनलाइन काउंसलिंग जून 2026 से प्रारंभ होंगे। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है।

सीएम साय करेंगे राडा ऑटो एक्सपो 2026 की शुरुआत

रायपुर। मध्य भारत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल मेला 'राडा ऑटो एक्सपो-2026' के आयोजन की घोषणा हो गई है। 17 दिवसीय भव्य ऑटोमोबाइल महाकुंभ 20 जनवरी से पांच फरवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के श्रीराम बिजनेस पार्क में आयोजित किया जाएगा। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) ने शुक्रवार को बताया कि यह आयोजन न केवल व्यापार का केंद्र होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्रगतिशील आर्थिक छवि को वैश्विक पटल पर प्रदर्शित करेगा। छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग ने इस एक्सपो के महत्व को समझते हुए एक बेहतर निर्णय लिया है। ऑटो एक्सपो ग्राउंड से खरीदे हर गाड़ी आरटीओ पर लाइफटाइम टैक्स में 50 फीसदी की छूट दी जा रही है।

रूम हीटर से लगी आग, बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत हो गई। दरअसल, रूम हीटर के कारण घर में लगी आग ने उसकी जान ले ली। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना की जांच में जुट गई है। यह घटना आमानाका थाना क्षेत्र के टाटीबंद की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह मृतक का बेटा घर में ताला लगाकर सामान लेने गया था, तभी घर में भीषण आग लग गई। आग के लगते ही बुजुर्ग इसकी चपेट में आ गया और 70 प्रतिशत तक झुलसकर मदद की गुहार लगाने लगा। चिख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने उसकी मदद की कोशिश की, मगर घर में ताला लगे होने के कारण वह अंदर नहीं जा पाए। सूचना के लगभग डेढ़ घंटे बाद जब फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। फायर ब्रिगेड के लेट होने पर स्थानीय निवासी भी नाराज हो गए और उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचती तो बुजुर्ग की जान बच सकती थी। फिलहाल पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरु कर दी है।

छत्तीसगढ़ में ठिठुरन : कई जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सर्दी ने एक बार फिर अपना असर तेज कर दिया है। प्रदेश के लोगों को आज जबरदस्त ठंड का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी रायपुर में सुबह धूप के साथ धुंध छाई रही, जिससे ठंड का एहसास और बढ़ गया। मौसम विभाग ने उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान प्रदेश भर में मौसम शुष्क बना रहा और कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। रायपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में शीतलहर की स्थिति बनी रही।

कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी, बालोद, दुर्ग और रायपुर जिलों के एक-दो क्षेत्रों में शीतलहर चलने की संभावना जताई गई है। इन सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। राहत की खबर यह है कि अगले 24 घंटे के बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के संकेत हैं। आगामी तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

नवा रायपुर में जुटेंगे देशभर के प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ी

छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 3 से 6 फरवरी तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दूसरी बार छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया जायेगा। यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफइंडिया (पीजीटीआई) का 2026 सीजन का पहला टूर्नामेंट होगा। नवा रायपुर के फेयरवे गोल्फएंड लेक रिजॉर्ट में तीन से छह फरवरी तक खेला जाएगा। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने शुक्रवार को दूसरे एडिशन के आयोजन की घोषणा की।

डिप्टी सीएम साव ने कहा कि पिछले वर्ष चैंपियनशिप के उद्घाटन संस्करण की अभूतपूर्व सफलता के बाद छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का आयोजन खेलों के प्रोत्साहन और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल आयोजनों के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की मंशा से किया जा रहा है। इस प्रकार के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट न केवल खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेंगे, बल्कि पर्यटन, युवाओं की सहभागिता और राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। ऐसे आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की विश्वस्तरीय सुविधाओं, उत्कृष्ट आयोजन क्षमता और सशक्त खेल संस्कृति का प्रभावी प्रदर्शन होता है।

खेल मंत्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और सभी स्थानीय हितधारकों के आभारी है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे एडिशन के आयोजन में अपना समर्थन दिया है। इस बार की पुरस्कार राशि में 50 प्रतिशत की वृद्धि करके डेढ़ करोड़ रुपये कर दी गई है। जिसमें विजेता को 22.5 लाख रुपये मिलेंगे, जो 2026 पीजीटी सीजन के लिए एक बेहतर शुरुआत होगी।

सुकमा में पागल कुत्ते का आतंक ने 25 लोगों को काटकर किया घायल, पालिका की टीम ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। नगर में एक पागल संक्रमित कुत्ते के आतंक ने लोगों में दहशत का माहौल बना दिया। शुक्रवार से शनिवार सुबह तक इस आवारा कुत्ते ने करीब 25 लोगों पर हमला किया, जिनमें महिला, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुत्ता लगातार अलग-अलग मोहल्लों में घूमता रहा और राह चलते लोगों पर अचानक हमला करता रहा।

कुत्ते के काटने से कई लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें परिजनों और स्थानीय नागरिकों की मदद से जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह भी कुत्ते का आतंक जारी रहा, जब उसने चार से पांच और लोगों को काट लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग को तुरंत सूचित किया गया। सूचना पर नगरपालिका की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। नगरपालिका अधिकारियों ने बताया कि कुत्ते को निरीक्षण और उपचार के लिए एक सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

इन्हें क्यों नहीं मिलता प्रधानमंत्री आवास

छत्तीसगढ़ में धुर नक्सल क्षेत्र के नाम से मशहूर बीजापुर बस स्टैंड के पीछे चट्टानपारा में 55 मकान ध्वस्त कर दिये गए। शांतिनगर में भी 20 कब्जों को मिलाकर कुल 75 मकान तोड़े जाने हैं। पिछले दो सालों से इन्हें बस्ती खाली करने के लिए पालिका नोटिस दे रहा था। जब नोटिसों का कोई असर नहीं हुआ तो पालिका ने यहां के मकानों पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया। कौन थे ये लोग, और यहां क्यों रह रहे थे। ये उन गांवों के आदिवासी हैं जहां उनका जीवन अब भी खतरे में हैं। इनमें से कुछ मकान डीआरजी जवानों के हैं तो कुछ नक्सल पीड़ित परिवारों के। अब इनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। इस ठंड में ये परिवार अब खुली सड़क पर हैं। प्रशासन का काम सिर्फविकास कार्यों को आगे बढ़ाना ही नहीं होता। यह भी प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह जरूरतमंदों को चिन्हित करे और उन तक राहत पहुंचाए। बेघर लोगों को पक्का आवास देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार प्रयास कर रहे हैं। योजनाओं के तहत उन्हें मकान दिलाया जा रहा है जिनके पास देश भर में कहीं भी अपना घर नहीं है। दस्तावेजों के आधार पर ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाता है और फिर लॉटरी के जरिये उन्हें आवास आवंटित कर दिये जाते हैं। तो क्या इन 75 घरों को फिर से नहीं बसाया जा सकता था? जाहिर है इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं होगा। पालिका की नजर में वे अवैध कब्जा धारी थे। उनकी मजबूरी से पालिका को कोई लेना देना नहीं है। पालिका के पास बेदखली के अपने कायदे कानून हैं। पालिका ने पहले नोटिस दिया, फिर बेदखली कर दी। यहां सवाल है संवेदनशीलता का। नियम-कानून-कायदे में बंधे लोगों के पास इसी एक भाव का घोर अभाव होता है। कलेक्टर कहते हैं कि सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सही कह रहे हैं। अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। पर आपकी जनता कहां और किस हाल में रह रही है, इसकी चिंता करना भी शायद आपकी ही जिम्मेदारी है।

दुर्ग में हत्या के आरोपी की इलाज के दौरान मौत

भिलाई। दुर्ग जिले की केंद्रीय जेल में बंद हत्या (धारा 302) के मामले में सजा काट रहे कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। कैदी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उसे बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया था, जहां शुक्रवार (16 जनवरी) सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की कैदी का नाम विनय प्रताप सिंह (35) है। वह दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के मामले में मार्च 2023 से केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध था। मामले की सुनवाई के बाद 28 नवंबर 2025 को उसे दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद से वह जेल में सजा काट रहा था। जेल प्रशासन के अनुसार, विनय प्रताप सिंह लंबे समय से लो शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) और मानसिक बीमारी से पीड़ित था। उसकी तबीयत अक्सर बिगड़ती रहती थी। जेल अस्पताल में उसका नियमित इलाज चल रहा था।

संपादकीय

महायुति की महासफलता

बीएमसी के नतीजे बड़े बदलाव के संकेत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफ्ल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है।

> “ अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी।

महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फ्र महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फ्र से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

आप किसी को अपने घर बुलायें, और फ्र उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फ्र बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फ्र कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा।

मशाल बन सत्ता को संभालने का साहित्यिक दायित्व

विश्वनाथ सचदेव

एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ-साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'साहित्य का काम है सत्ता को संभालना'। यह बात हमारे साहित्यकार कब समझेंगे?

आप किसी को अपने घर बुलायें, और फ्र उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फ्र बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फ्र कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा। उस दिन छत्तीसगढ़ के संत घासीदास विश्वविद्यालय में ऐसा ही हुआ। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से हिंदी कहानी की दशा-दिशा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। देश के बड़े-बड़े साहित्यकार वहां उपस्थित थे। इनमें से एक मनोज रूपड़ा भी थे, जिनकी गणना हिंदी के श्रेष्ठ कहानीकारों में होती है। मेजबान कुलपति शायद स्वागत भाषण दे रहे थे। अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज़्यादा अच्छा रहेगा।

कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फ्टकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के 'असभ्य' व्यवहार की आलोचना हो रही है।

जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा-सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे

ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी ग़लती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच-छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है!

इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया हैङ्क अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत-योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है।

बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य-जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना ग़लत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों 'सम्मानित' होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है।

शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी। वे चुप क्यों रहे, यह वही जानें, पर यह अपने आप में कोई रहस्य नहीं है कि सत्ता, चाहे वह राजनीतिक हो अथवा प्रशासनिक, अक्सर साहित्य को अपने अधीन रखना चाहती है। चाहती ही नहीं, अधीन मानती भी है। न वह इतिहास से कुछ सीखना चाहती है, न ही वर्तमान को समझना चाहती है। पता नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को यह याद क्यों नहीं रहता कि कभी बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल ने कवि भूषण की पालकी को कंधा देकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया था। इस इतिहास को कोई चाहे तो कल्पना भी कह सकता है, पर समझने की बात यह है कि राजा छत्रसाल और कवि भूषण का यह प्रकरण सत्ता और साहित्य के रिश्तों को परिभाषित करने वाला है। यहीं यह भी समझना ज़रूरी है कि किसी छत्रसाल (सत्ता) द्वारा सम्मानित होने के लिए भूषण (साहित्य) को अपनी पात्रता भी सिद्ध करनी होती है। संत घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा अनुचित व्यवहार के दौरान वहां उपस्थित साहित्यकारों की चुप्पी यही संकेत देती है कि या तो उन्होंने घटना में निहितार्थ को नहीं समझा या उनमें सत्ता के अनुचित घमंड का प्रतिकार करने का साहस नहीं था। ऐसे साहित्यकारों को अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए कि अनुचित का प्रतिकार करना उन्होंने ज़रूरी क्यों नहीं समझा। वह यह क्यों भूल गये कि साहित्य का काम सत्ता को संभालना होता है, मशाल बनकर आगे चलना होता है।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ घटी एक घटना याद आ रही हैङ्क एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ-साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'साहित्य का काम है सत्ता को संभालना'। यह बात हमारे साहित्यकार कब समझेंगे? कब उन्हें लगेगा कि जब कोई सत्ता किसी प्रकार के गर्व का शिकार बनती है तो साहित्य का काम उसका हाथ पकड़कर उसे संभालना होता है? उस दिन एक कुलपति के अनुचित व्यवहार का विरोध करके हमारे साहित्यकार अपनी पात्रता सिद्ध कर सकते थे। कुलपति ने जो किया, वह शर्मनाक था, पर उस व्यवहार का विरोध न करके साहित्यकारों का वहां बैठे रहना भी कम शर्म की बात नहीं है।

बिलासपुर की उस घटना के वायरल हुए वीडियो से जितना कुछ पता चलता है वह यही है कि कुलपति ने जो किया वह अनुचित था और वहां उपस्थित कुछ साहित्यकारों ने जो नहीं किया (यानी प्रतिकार नहीं किया) वह भी कम अनुचित नहीं था। साहित्यकारों की यह चुप्पी सवाल उठाने वाली है। अनुचित के खिलाफ खड़े न होने की विवशता से हमारे कुछ साहित्यकार कब उबरेंगे?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तो नोबल पुरस्कार दिला देते न भाई!

सहीराम

एक तरफ तो शांति का नोबल पुरस्कार लेने की इतनी तलब थी कि खुद को पीस प्रेजिडेंट ही कहलाना शुरू कर दिया था। लेकिन फ्र नोबल से मोहभंग हुआ तो ऐसा हुआ कि खुद ही वेनेजुएला पर चढ़ दौड़े और राष्ट्रपति को पकड़वाकर अमेरिकी अदालत में खड़ा कर दिया।

देखो भाई, बिना नोबल शांति पुरस्कार के तो शांति हो नहीं सकती थी। अगर दुनियावालों को शांति चाहिए थी, तो नोबल दिला देते। वरना तो यही होना था, जो ट्रंप ताऊ ने किया। वे दुनियाभर में युद्ध रुकवाते घूम रहे थे। कभी इस्राइल और फ्लस्तीन का युद्ध रुकवा रहे थे, तो कभी रूस-यूक्रेन का युद्ध रुकवा रहे थे। कभी गाजा को रिवेरा बना देने का प्लान दे रहे थे, तो कभी जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बुलाकर वैसे ही डांट रहे थे जैसे, किसी जमाने में जागीरदार अपनी हवेली पर बुलाकर किसानों को डांटा करते थे। भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाने का श्रेय तो वे हर हफ्ते ही लेने की कोशिश करते थे। एक बार श्रेय लेते थे, फ्र खुद को ही लगता था कि उन्होंने तो श्रेय दिया नहीं, चलो मैं ही एक बार फ्र ले लेता हूं। इंडियावालों ने शुरू में तो इसकी गिनती रखी, लेकिन फ्र गिनना बंद कर दिया।

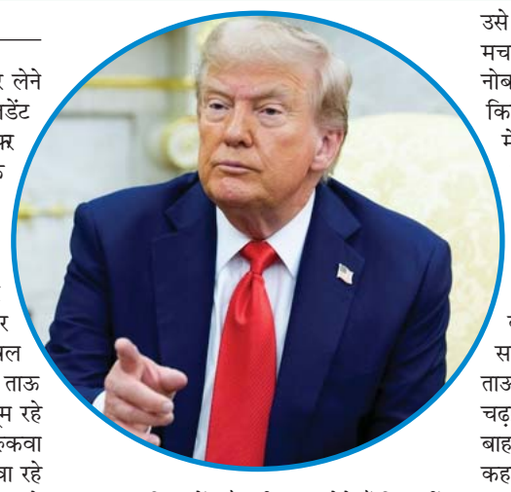

यार दुनिया में और भी काम होते हैं कि नहीं। अब तक तो वे सैकड़ों बार श्रेय ले चुके होंगे। तो एक तरफ तो शांति का नोबल पुरस्कार लेने की इतनी तलब थी कि खुद को पीस प्रेजिडेंट ही कहलाना शुरू कर दिया था। लेकिन फ्र नोबल से मोहभंग हुआ तो ऐसा हुआ कि खुद ही वेनेजुएला पर चढ़ दौड़े और राष्ट्रपति को पकड़वाकर अमेरिकी अदालत में खड़ा कर दिया।

यह मोहभंग इतना गहरा था कि जिस मारिया मचाडो को इस बार का नोबल पुरस्कार मिला, उसे भी उन्होंने माफ नहीं किया। हालांकि बेचारी मचाडो उन्हीं की भक्त हैं और उन्होंने अपना नोबल पुरस्कार भी ट्रंप ताऊ को ही समर्पित किया है, लेकिन ताऊ की नाराजगी ऐसी कि मेरे रहते तुमने पुरस्कार ले कैसे लिया। कह देती मेरे ताऊ को दो। अरे यार, नोबल सारे अमेरिकी राष्ट्रपतियों को मिलता है, देखो ओबामा को भी मिल गया, तो मुझे क्यों नहीं मिला। इसी नाराजगी में वेनेजुएला पर हमला करने और राष्ट्रपति मादुरो को अगुवा करने के बाद भी उन्होंने मचाडो के हाथ में सत्ता देने से इंकार कर दिया। कहां तो वे रोज ताऊ को न्योता दे रही थीं कि आओ मेरे देश पर चढ़ाई कर दो और इन वामपंथियों को निकाल बाहर करो। दूसरे देशों में ऐसे लोगों को गद्दार कहा जाता है, देशद्रोही कहा जाता है, लेकिन मचाडो क्योंकि वामपंथियों की विरोधी हैं तो उन्हें नोबल पुरस्कार से नवाजा गया था।

लेकिन क्या काम आया यह पुरस्कार? सत्ता तो मिली नहीं। ताऊ ने दी ही नहीं। वे मचाडो को पूछ ही नहीं रहे। इंतजार में बैठी हैं, ताऊ लुकमा फेंक ही नहीं रहे। कह रहे हैं कि हम वेनेजुएला को चलाएंगे। पता नहीं जी, वह कैसे चलेगा। इराक की तरह चलेगा या अफ्गानिस्तान की तरह से चलेगा या फ्र लीबिया की तरह से चलेगा। जो भी हो, ट्रंप ताऊ ने अपनी तो चला ली!

स्टार्टअप्स को बुजुर्गों की मेडिकल सहायता पर और 'आरएंडडी' करनी चाहिए

एन. रघुरामन, मैनेजमेंट गुरु

15 जनवरी की दोपहर मेरे व्हाट्सएप पर मैसेज ब्लिंक हुआ। मैसेज खोलते ही नागपुर के धरमपेठ में खरे टाउन स्थित परांजपे स्कूल के मतदान केंद्र से 102 वर्षीय आरएस कुप्पुस्वामी की तस्वीर सामने आई। वे खड़े थे, लेकिन कमर थोड़ी झुकी थी और बाईं तर्जनी पर लगी काली स्याही दिखा रहे थे। ये महाराष्ट्र में गुरुवार को हुए नगर निकाय चुनाव में वोट डालने का प्रमाण था। मैं उन्हें निजी तौर पर कई कारणों से जानता हूं। वे मेरे पिता के सबसे अच्छे दोस्त थे। दोनों नागपुर रेलवे स्टेशन पर साथ काम करते थे। उनकी दिवंगत पत्नी श्रीमती सरस्वती कुप्पुस्वामी सरस्वती विद्यालय के प्राइमरी सेक्शन में टीचर थीं, जहां मैंने पढ़ाई की।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस, सेवानिवृत्त न्यायाधीश सत्येंद्र धर्माधिकारी और कई जाने-माने डॉक्टर्स सहित अनेक प्रोफेशनल इसी स्कूल में पहली से दसवीं तक पढ़े थे। चूंकि स्कूल में कई सेक्शन थे, इसलिए मेरा अनुमान है कि श्रीमती कुप्पुस्वामी ने किसी न किसी रूप से इन सफ्ल लोगों के जीवन को छुआ होगा- क्योंकि उन्होंने जीवन के दस साल इसी स्कूल में बिताए थे। मैंने तस्वीर भेजने वाली उनकी बेटी भानु को फ्ोन किया। वे सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता अब भी बिना सहारे के चलते हैं, हालांकि उनके आंख और कान पहले की तरह साथ नहीं देते। मैंने कहा कि 'सुनकर अच्छा लगा कि वे अब भी बिना सहारे चलते हैं, क्योंकि हर साल गिरने की वजह से लाखों बुजुर्ग बिस्तर पकड़ लेते हैं।'

असल में गिरना कभी समस्या नहीं होता। सबसे ज्यादा नुकसान तब होता है, जब गिरने के बाद बुजुर्ग बिना मदद के घंटों गुजार देते हैं। जिन्हें तुरंत मदद मिल जाती है, उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना काफ्ी कम होती है और वे स्वतंत्र जीवन जी पाते हैं। इसी साल 9 जनवरी से अमेरिका ने 'फास्टहेल्प' नामक नया स्लीक मेडिकल अलर्ट डिवाइस लॉन्च किया। ये वन-टच बटन तत्काल बुजुर्गों को पूरे देश में कहीं भी अनलिमिटेड मदद से जोड़ता है। 300 डॉलर से कम का ये डिवाइस एक बार लिया तो इसमें न कोई कॉन्ट्रैक्ट है, न मासिक बिल और न डिपॉजिट। 'फास्टहेल्प' में अत्याधुनिक सेल्युलर एम्बेडेड टेक्नोलॉजी है तो यह आजीवन चलता है और हर जगह काम करता है।

वन टच ई. बटन बुजुर्गों को किसी भी सुविधा से जोड़ता है। वहां ज्यादातर बुजुर्गों ने इसे तुरंत खरीद लिया, क्योंकि लॉन्चिंग के पहले 72 घंटों के लिए 150 डॉलर का डिस्काउंट दिया गया था। इसकी लोकप्रियता का एक कारण यह भी रहा कि पुराने डिवाइसों में मासिक किराया लगता था। फ्लहाल यह 1964 से पहले जन्मे लोगों, यानी बेबी बूमर्स को दिया जा रहा है। 2026 में अब तक का यह सबसे तेजी से बिकने वाला इलेक्ट्रॉनिक आइटम है। इसमें न लैंडलाइन की जरूरत है और न सेलफ्ोन की। बटन दबाते ही ये बुजुर्गों को विशाल सेल्युलर नेटवर्क से जोड़ देता है और उन्हें किसी भी बिल भुगतान से बचाता है।

इसके स्लीक लुक का बड़ा फायदा है कि यह बुजुर्गों को बूढ़ा नहीं, बल्कि खास महसूस कराता है। भारत सरकार की भी एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन-14567 है। यह सेवा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक चलती है और जानकारी के साथ-साथ फील्ड इंटरवेंशन सहायता भी देती है। इसमें आपात स्थिति में एंबुलेंस सेवा और अस्पताल में भर्ती कराना भी शामिल है। हमारे देश में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी के चलते हमें भी ऐसे आइडिया पर काम करना चाहिए, ताकि बुजुर्ग किसी मेडिकल इमरजेंसी में कम से कम स्थानीय स्तर पर तो स्वास्थ्य सेवाओं से तत्काल जुड़ सकें। यह हमारे आईटी और टेलीकॉम विशेषज्ञों के लिए भी आइडिया है कि वे 'फास्टहेल्प' जैसा या उससे बेहतर उत्पाद बनाएं।

बेहतर विमर्श से जीवन संतोषजनक बनाएं

भारत डोगरा

बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है।

विश्वस्तर पर वृद्धों का जनसंख्या में प्रतिशत बढ़ रहा है और इसके साथ इस बारे में बेहतर विमर्श की जरूरत है कि उनका जीवन स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बन सके। वर्ष 1950 में विश्व का कोई व्यक्ति औसतन 46 वर्ष जीता था तो वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 70 वर्ष तक पहुंच गया। जापान, इटली व स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों में आज औसत आयु ही 80 वर्ष के पार पहुंच चुकी है। वर्ष 2050 के लिए यह अनुमानित है कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के विश्व में 210 करोड़ लोग होंगे व विश्व की जनसंख्या में उनका हिस्सा 21 प्रतिशत होगा। ऐसे में जरूरी है कि वृद्धावस्था को स्वस्थ व संतोषजनक बनाने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएं। इस सोच से प्रेरित होकर विश्व स्तर पर वर्ष 2021-2030 के दशक को स्वस्थ वृद्धावस्था के दशक के रूप में मनाया जा रहा है।

हालांकि वृद्धावस्था को अधिक रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में देखा गया है, पर हाल के समय में इस ओर अधिक महत्व दिया गया है कि समुचित सावधानियां बरत कर, अनुकूल स्थितियां उत्पन्न कर इन रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस तरह वृद्धावस्था को अधिक संतोषजनक व रचनात्मक बनाया जा सकता है। जहां रोग का इलाज जरूरी है वहां यह और भी महत्वपूर्ण है कि नीतिगत व व्यक्तिगत स्तर पर बेहतर कदम उठाकर इन रोगों की संभावना को ही अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सकता है। जहां दुर्घटना होने पर चोट के इलाज की व्यवस्था जरूरी है, वहां यह भी सच है कि कुछ सावधानियां अपना कर चोट लगने की संभावना को ही काफी हद तक कम किया जा सकता है।

यदि भारत की स्थिति देखें तो वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 10.3 करोड़ थी व उसका भारत की इस समय की जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत का हिस्सा था। वर्ष 2050 के लिए सरकारी स्तर पर अनुमान है कि तब तक 60 वर्ष से अधिक की आयु की जनसंख्या बढ़कर 31.9 करोड़ तक पहुंच जाएगी। यह उस समय की भारतीय जनसंख्या का 19.5 प्रतिशत होगा। अब यदि हम अधिक वृद्ध व्यक्तियों यानी 75 वर्ष की आयु से अधिक के व्यक्तियों की बात करें तो वर्ष 2011 और वर्ष 2050 के बीच इनकी संभावित वृद्धि की दर और भी अधिक है। सरकारी स्तर का अनुमान है कि इस दौर में कुल जनसंख्या में इनके हिस्से में 340 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

इन स्थितियों को देखते हुए यह विमर्श और जरूरी हो जाता है कि उपलब्ध बजट व अन्य सीमाओं के बीच वृद्धावस्था को अधिक स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बनाया जाए। निश्चय ही सभी वृद्ध लोगों तक समुचित पेंशन पहुंचाना बहुत जरूरी है। इसके साथ उनके स्वस्थ जीवन के लिए अनेक अन्य कदम उठाना भी आवश्यक है। जहां बीमारियों का इलाज व इसकी व्यवस्था आवश्यक है, वहां इससे भी अधिक जरूरी व लाभदायक है कि ऐसी नीतियों व कार्यक्रमों को अपनाया जाए जिनके आधार पर इन बीमारियों की संभावना को अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सके।

बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है।

दक्षिण राजस्थान में 'प्रबल यात्रा' कार्यक्रम को इसी सोच के आधार पर तैयार किया गया है व इसे अर्थ संस्था द्वारा लगभग 100 गांवों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले गांवों में वृद्ध नागरिकों को प्रबल यात्रा मंच के सदस्य के रूप में एक मंच पर लाया जाता है व वे हर महीने अपने गांव की एक सामूहिक मीटिंग में मिलते हैं व अपने विभिन्न सरोकारों, मुद्दों, समस्याओं व जीवन के अनुभवों की चर्चा करते हैं। इस आधार पर वे आगे भी ऐसी अगली मीटिंग होने तक, आपस में बेहतर विमर्श कर सकते हैं। ऐसी सामूहिक वार्ता में ऐसे पोषण सुधार की चर्चा होती है जो मौजूदा स्थितियों में वृद्ध लोगों के लिए संभव है। यदि दांत कमजोर होने के कारण कोई कोमल रूप में उपलब्ध खाद्य की जानकारी है, तो उसे एक-दूसरे से बांटा जा सकता है। प्रबल यात्रा कार्यक्रम ने सब्जियों के अधिक उपयोग व घर के पास सब्जी उगाने के लिए सहायता देने को महत्व दिया है।

इस वार्ता में ऐसे साधारण व्यायाम के बारे में चर्चा व अभ्यास भी होता है, जो वृद्ध व्यक्ति आसानी से अपना सकते हैं। परस्पर मिल कर वृद्ध व्यक्ति ऐसे कुछ खेल भी खेलते हैं जिनसे मानसिक सक्रियता बनी रहे या इसमें सुधार हो। विभिन्न परिवारों के सहयोग से उनके घर व आसपास के क्षेत्र का ऐसा आकलन किया जाता है जिससे वृद्ध या अन्य व्यक्तियों के गिरने या दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना को कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जरूरतमंद वृद्ध गांववासियों को चश्मा प्राप्त करने, मोतियाबिंद का आप्रेशन करवाने में मदद की जाती है व चलने में सहायता के लिए छड़ी व वॉकर भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं। वृद्ध व्यक्तियों को अस्पताल में जरूरी इलाज करवाने के लिए समुचित सहायता दी जाती है। अनेक वृद्ध व्यक्तियों को नियमित पेंशन व राशन मिल रहे हैं पर यदि किसी को यह सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाई होती है तो इस कार्यक्रम की ओर से उसे सहायता दी जाती है। अन्य सरकारी कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त करने में भी सहायता की जाती है। इस तरह वृद्ध व्यक्तियों के कई तनाव कम हो जाते हैं व उन्हें यह आश्वासन रहता है कि जरूरत पड़ने पर यहां से सहायता मिल सकती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

छावनी में नाली और सड़कों से हटाया गया अवैध कब्जा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र में आज सुबह प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा प्रात: भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के परिपालन में छावनी मंगल बाजार और अंकुश चौक के समीप नाली एवं सड़कों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। निगम प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि स्थानीय लोगों द्वारा नाली के ऊपर पक्का निर्माण कर और सड़कों तक सामान फैलाकर अतिक्रमण किया गया है, जिससे जल निकासी बाधित हो रही थी और यातायात में भी समस्या आ रही थी। छावनी मंगल बाजार एवं अंकुश चौक पर नाली के ऊपर किए गए अवैध निर्माण को ढहाया गया और सड़क घेरकर रखे गए सामानों को जब्त किया गया।

मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन

भिलाई। 'मोतियाबिंद मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत विशेष जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 19 से 22 जनवरी 2026 तक नगरीय निकायों में विभिन्न स्थानों पर पूर्वान्ह 10.30 बजे से शिविर का आयोजन किया जाएगा। 19 जनवरी 2026 को वृद्धाश्रम पुलगांव में शिविर लगेगा जिसमें पुलगांव, रामशीला, जुनवानी, की कुटिया और प्रशामक गृह दुर्ग के क्षेत्र सम्मिलित होंगे। 20 जनवरी को आस्था वृद्धाश्रम सेक्टर-8 भिलाई में शिविर आयोजित होगा जिसमें आस्था वृद्धाश्रम तथा सेक्टर-2 भिलाई क्षेत्र सम्मिलित होंगे। 21 जनवरी को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा नाका में सिकोला भाठ, उरला और करहीडीह क्षेत्र के लिए जांच की जाएगी। 22 जनवरी को शिवपारा और पोटिया चौक के कंडरापारा में शिविर होगा।

कनेक्शन काटने गए तो 42 हजार हुए जमा

रिसाली। नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही को देख 6 लोगों ने आनन फानन 42 हजार रुपए जमा कराया। रिसाली निगम ने लंबे समय से जल कर जमा नहीं करने पर वार्ड 31 के 17 लोगों को नोटिस जारी किया है। कार्यवाही करते कर्मचारियों ने ताम्रध्वज मार्कण्डेय के निवास में लगे नल कनेक्शन को काटने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही को देख पड़ोस में रहने वाले नरोत्तम साहू ने 11960, जी सी शर्मा ने 6920, मीना देवांगन ने 6920, राजकुमार वर्मा ने 4400, शिवमंगल साहू ने 9440 रुपए जमा कराया।

विभागीय परीक्षा का आयोजन 27 जनवरी से 3 फरवरी तक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, गृह-सी विभाग मंत्रालय नवा रायपुर द्वारा 27 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक विभागीय परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। दुर्ग संभाग में यह परीक्षा भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की जाएगी। संभाग आयुक्त द्वारा विभागीय परीक्षा के सुचारू रूप से सम्पादन हेतु अधिकारियों कर्मचारियों को परीक्षा संबंधी कार्य सौपे गये हैं।

आईआईटी भिलाई में इरा झा की स्मृति पर व्याख्यान का आयोजन, विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई में सेंटर फॉर स्टडीज ऑन कल्चर, लैंग्वेज एंड ट्रेडिशन (सीसीएलटी) ने संस्थान परिसर में विगत 15 जनवरी को द्वितीय इरा झा वार्षिक स्मृति व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान श्रृंखला का नाम छत्तीसगढ़ की एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की हिंदी पत्रकार सुश्री इरा झा (1957-2024) के सम्मान में रखा गया है। सुश्री झा का जन्म जगदलपुर में हुआ था और वह हिंदी समाचार डेस्क में पहली महिला मुख्य उप-संपादक बनने के साथ-साथ किसी राष्ट्रीय दैनिक की पहली ब्यूरो प्रमुख भी बनीं। अपने पूरे करियर में, उन्होंने बस्तर के जनजातीय समुदायों की संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया और महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति में गौरव का प्रतीक थीं।

दूसरा इरा झा वार्षिक स्मृति व्याख्यान छत्तीसगढ़ के व्यापक रूप से प्रशंसित, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक और फिल्म निर्माता मनोज वर्मा ने 'सिनेमा और छत्तीसगढ़ी संस्कृति' विषय पर दिया। सेल्युलाइड पर राज्य की जीवंत संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने के अपने समृद्ध अनुभव का उल्लेख करते हुए, वर्मा ने राज्य के सिनेमा में छत्तीसगढ़ के व्यंजनों, लोक संस्कृति और भाषाओं की सामाजिक-सांस्कृतिक विशिष्टताओं को अग्रभूमि में रखने की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि छत्तीसगढ़ के सिनेमा में सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों को उजागर करने और राज्य की विविध और बहुलवादी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का माध्यम बनने की क्षमता है।

इरा झा वार्षिक स्मृति व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से, सीसीएलटी का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के कलाकारों और चिकित्सकों को राज्य की संस्कृति और विरासत पर आईआईटी भिलाई समुदायों के साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करना है। इस श्रृंखला के तहत उद्घाटन व्याख्यान गुरुवार, 23 जनवरी 2025 को बस्तर बैंड के संस्थापक श्री अनूप रंजन पांडे (पद्मश्री) द्वारा दिया गया। सीसीएलटी राज्य और इसके लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए इस व्याख्यान श्रृंखला के साथ-साथ अन्य गतिविधियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कलाकारों और कला अभ्यासियों के साथ जुड़ना जारी रखेगा।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस : स्कूल व कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने दिखाया उत्साह

जिला इनक्यूबेशन हब में हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर दुर्ग में उत्साह और नवाचार का एक अनूठा संगम देखने को मिला। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री द्वारा 16 जनवरी 2016 को 'स्टार्टअप इंडिया' पहल का शुभारंभ किया गया था। इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत को 'नौकरी के आकांक्षी' के बजाय 'रोजगार सृजक' राष्ट्र में बदलना और निवेश आधारित विकास को सक्षम बनाना है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आज दुर्ग में भी भव्य आयोजन किया गया।

इस विशेष दिवस का आयोजन जिला इनक्यूबेशन हब, दुर्ग में टीआईएसएस इनक्यूब फाउंडेशन के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में आयोजित कार्यशाला और 'उद्योग संपर्क एवं खुला संवाद सत्र' (इंडस्ट्री कनेक्ट और ओपन डायलॉग सेशन) में सफल उद्यमियों ने स्टार्टअप्स को नवाचार, रोजगार सृजन और स्थानीय आर्थिक विकास का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

प्रमुख वक्ता और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विद्यार्थियों व स्टार्टअप्स के साथ सीधा संवाद किया। प्रमुख वक्ताओं में शामिल थे। प्रो. सत्यजीत मजूमदार डायरेक्टर, टीआईएसएस इनक्यूब फाउंडेशन, विनय जाजू एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, स्विचऑन फाउंडेशन , एसके सिंह महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दुर्ग, आशीष वर्मा प्रबंधक, आईजीकेवी इन विशेषज्ञों ने युवाओं को रिस्क लेने, नवाचार करने और बाजार की जरूरतों को समझने के लिए प्रेरित किया।

विभिन्न स्कूल व कॉलेज ने की सक्रिय भागीदारी

इस आयोजन में भिलाई और रायपुर के विभिन्न इनक्यूबेशन सेंटर्स, टेक्नोलॉजी और पीजी कॉलेजों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। विशेष रूप से श्री शंकराचार्य विद्यालय के स्कूली छात्रों की उपस्थिति और उनकी जिज्ञासा ने सभी का ध्यान खींचा। स्कूली स्तर पर ही उद्यमिता के प्रति यह रुझान भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर दो दिवसीय विशेष स्टार्टअप प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें स्थानीय नवाचारों की झलक देखने को मिली। नागरिकों और विद्यार्थियों ने इन स्टॉल्स पर खासी रुचि दिखाई। शुद्ध शहद उत्पाद, जूट से बने पर्यावरण अनुकूल बैग, प्राकृतिक हेयर ऑयल, हस्तनिर्मित मोमबत्तियां, कृषि एवं तकनीक आधारित स्टार्टअप्स के उत्पाद मुख्य आकर्षण रहे।

प्रशासन के प्रयासों से युवाओं को मिला मंच

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर दुर्ग में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि क्षेत्र में पनप रही उद्यमशीलता की संस्कृति का प्रमाण है। टीआईएसएस इनक्यूब फाउंडेशन और जिला प्रशासन के प्रयासों से स्थानीय युवाओं को एक मंच मिला है। स्कूली बच्चों से लेकर कॉलेज के छात्रों और सफल उद्यमियों का एक साथ आना यह दर्शाता है कि दुर्ग अब पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यह आयोजन निश्चित रूप से युवाओं को नौकरी मांगने के बजाय अपनी शर्तों पर रोजगार पैदा करने और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई में 35 प्रकरणों पर हुई सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज प्रेरणा सभा कक्ष बालगृह परिसर महिला एवं बाल विकास कार्यालय दुर्ग में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रभारी सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सह प्रभारी श्रीमती लक्ष्मी वर्मा उपस्थित रहीं। आज की जनसुनवाई जिले के कुल 35 प्रकरणों पर सुनवाई की गई।

जनसुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका की अनुपस्थिति के कारण मामला शीघ्र सुनवाई हेतु रायपुर स्थानांतरित किया गया। वहीं एक अन्य प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए गए मामले को आयोग में सुनवाई के निर्देश प्राप्त होने के बाद पुन: सुनवाई की गई, जिसमें पुलिस जांच दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। उक्त प्रकरण की अगली सुनवाई 11 फरवरी 2026 को रायपुर में निर्धारित की गई है। पति-पत्नी विवाद से जुड़े एक गंभीर मामले में अवैध संबंधों के आरोप सामने आए। आयोग द्वारा समझाइश के बाद पति ने पत्नी और पुत्र के समक्ष माफी मांगी। दोनों पक्षों को साथ रहने का अवसर दिया गया, जिसकी निगरानी सखी केंद्र द्वारा की जाएगी।

एक अन्य प्रकरण में शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत वापस लेने तथा संबंधित व्यक्तियों की मृत्यु हो जाने के कारण प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। वहीं पारिवारिक संपत्ति विवाद के एक मामले में आयोग की टीम द्वारा मौके पर जाकर आवेदिका को भूमि का कब्जा दिलाने और सुलहनामा कराने का निर्णय लिया गया। न्यायालय में लंबित प्रकरणों को आयोग द्वारा नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य मामले में जनहित की शिकायत पर दर्ज एफ्आईआर को लेकर अनावेदक को एक माह में एफ्आईआर वापस लेने के निर्देश दिए गए, जिसकी अगली सुनवाई रायपुर में होगी।

दुर्ग के उपार्जन केन्द्रों से 1 लाख 72 हजार 18 मेट्रिक टन धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी सुव्यवस्थित जारी है। साथ ही उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है।

धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 1,01,365.16 लाख रूपए की लागत से 4,27,618.08 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 81927 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। उठाव हेतु 2,40,735.14 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है। अब तक उपार्जन केन्द्रों से 1,72,018.50 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है।

सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के पश्चात् रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिससे बिचौलियों को अपनी धान खपाने का अवसर नहीं मिला है। जिले में अब तक धान बेच चुके 45165 कृषकों ने 1,237.50 हेक्टेयर रकबा समर्पण कर चुके हैं। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किया गया है। वर्तमान में उपार्जन केन्द्रों में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। इसके तहत केन्द्रों में 23,00,295 बारदाने उपलब्ध है।

10वीं -12वीं प्री बोर्ड परीक्षा का डीईओ ने किया औचक निरीक्षण

■ **कमजोर बच्चों पर फोकस करने व उनकी कमियों को सुधारने दिए टिप्स**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द मिश्रा ने विद्यालयों में चल रही 10वीं व 12वीं प्री बोर्ड की परीक्षा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जांची गई उत्तर पुस्किाओं के मूल्यांकन का अवलोकन किया गया एवं बोर्ड परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाए जाने की रणनीति बनाने हेतु निर्देशित किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने चिन्हाकित कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम की लगातार तैयारी कराने, कमजोर बच्चों को रोजाना 5 प्रश्न गृहकार्य में दिये जाने एवं शिक्षकों द्वारा इसे हर-रोज मूल्यांकन

कर बच्चों की कमियां एवं इन कमियों को सुधारने के टिप्स दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरई के कक्षा 12वीं के कला संकाय के 50 प्रतिशत से कम रिजल्ट को लेकर चिंता जताई एवं शिक्षकों को कला के विषयों में उत्तर लिखने के पैटर्न का निरंतर अभ्यास कराए जाने एवं पिछले 5 वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करवाने के निर्देश दिए गये।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़िया के 10वीं कक्षाओं के छात्रों को परीक्षाओं के चलते समय से पूर्व घर भेज दिया गया जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्य व शिक्षकों को फटकार लगाई एवं दोबारा ऐसी गलती न करने की चेतावनी दी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरसी में शिक्षक स्टॉफरूम में पाये गये जिसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अनावश्यक स्टॉफरूम में न बैठने एवं समय पर कक्षा में उपस्थित रहने को निर्देशित किया गया है।

निरीक्षण के दौरान सभी प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला के संस्था प्रमुखों को मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू अनुसार प्रदाय करने, बारहखड़ी, पहाड़ा, पुस्तक वाचन के नियमित अभ्यास कराने विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने तथा नियत समय पर शिक्षकों को वीएसके के माध्यम से ही उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए।

जोन-पांच में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे आयुक्त, बोले- जनसुविधाओं को बेहतर बनाएं

■ **क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के बेहतर विकास के लिए उद्यान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, डोम शेड, खेल सामग्री सहित टेनिस कोर्ट को सुविधायुक्त और बेहतर करने के उद्देश्य से निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा निरीक्षण किया गया है। निगम द्वारा दिए जा रहे जनसुविधाओ को और बेहतर बनाने को कहा गया है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियो एवं अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। निगम आयुक्त द्वारा जोन-5 सेक्टर 5 सड़क 12 में निर्मित डोम शेड के पास साफ-सफाई कराने निर्देशित किये है।

सड़क 12-13 में बने उद्यान का अवलोकन किये। उद्यान के भीतर पानी व्यवस्था सहित मंच एवं उद्यान की साफ-सफाई कराने कहा गया है। साथ ही उद्यान में पूर्व से स्थापित खेल सामग्री को संधारण कराने निर्देशित किये है, जिससे बच्चे खेल सामग्री का उपयोग कर सके। आयुक्त ने सड़क 14-15 में बने टेनिस कोर्ट का अवलोकन किये। खिलाड़ियों की सुविधा को देखते हुए टेनिस कोर्ट में आवश्यक संधारण कराने कहा गया है। वाटर एटीएम को पानी उपलब्धता अनुसार सुव्यवस्थित कर संचालित करने कहा गया है । समीपस्थ उद्यान का अवलोकन करते हुए उद्यान में सिंचाई व प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित करने कहा गया है । और पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए पौधा रोपण कराने तथा खेल सामग्री का संधारण कराने निर्देशित किया गया है।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुवन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, सूर्या, मनीष सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु 19985 घरों का किया गया सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के तहत डेंगू, मलेरिया, मच्छर, लार्वा की उत्पत्ति के नियंत्रण हेतु कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग का विशेष दस्ता तथा जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम द्वारा घर-घर पहुंचकर मच्छर उन्मूलन हेतु कार्य कर रही है।

नगर निगम भिलाई अंतर्गत 1 अप्रेल 2025 से 16 जनवरी 2026 तक 19985 घरों का सर्वे किया गया है। जिसमें 3708 कुलर, 2705 पानी की टंकी, 3550 ड्रम, प्लास्टिक एवं कंटेनर के पुराने जमा पानी को खाली कराया गया है।

आम नागरिको में डेंगू, मलेरिया के बचाव हेतु जनजागरूकता लाने के उददेश्य से 3350 पाम्पलेट का वितरण किया गया है। डेंगू मलेरिया से बचाव एवं मच्छर उन्मूलन जनजागरूकता अभियान में जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव, उमेश कपूर, निगम से सुदामा परगनिहा, राजेश डहरे उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने किया सोलर हाईमास्ट संयंत्र का लोकार्पण

बिलासपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में ग्राम मोहभट्ठा में स्वयंभू भुनेश्वर मंदिर के पास 10 लाख 75 हजार रूपए की लागत से स्थापित 2 सोलर हाईमास्ट संयंत्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के तौर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, विशिष्ट अतिथि क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तोखन साहू ने कहा कि सोलर हाईमास्ट संयंत्र लगने से क्षेत्र में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को आवागमन एवं सुरक्षा में सुविधा मिलेगी। यह योजना स्वच्छ एवं नवीनीकरण ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योजना है। तत्पश्चात् अतिथिगणों ने स्वयंभू भुनेश्वर मंदिर में विधिवत् पूजा-अर्चना कर क्षेत्र तथा क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की योजना अनुरूप पर्यटन स्थलों में प्रकाश व्यवस्था किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष बिल्हा रामकुमार कौशिक, अध्यक्ष नगर पंचायत बिल्हा वंदना जेण्द्रे, नगर पंचायत उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, मोहभट्ठा सरपंच गौरी ध्रुव, कोमल सिंह ठाकुर एवं सोमेश तिवारी, मोहन डोरिया, पुनिता डहरिया, विष्णु बिंदल, बृजभुषण वर्मा, राजकुमार साहू, तुलसी बघेल, कृष्णचंद महापात्र, घनश्याम कौशिक, उमाशंकर कश्यप, लव श्रीवास, नरेन्द्र सन्नाड, मोहन वर्मा के साथ-साथ भारी संख्या में श्रद्धालु व ग्रामीण उपस्थित रहे।

डिजिटल टोकन और पारदर्शी धान खरीदी प्रणाली से किसान सशक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान उपार्जन व्यवस्था में की गई डिजिटल एवं पारदर्शी सुधार पहल का सकारात्मक प्रभाव पूरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है। सरगुजा जिले सहित राज्य के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में अपनाई गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था, सुव्यवस्थित तौल प्रक्रिया और आधारभूत सुविधाओं ने किसानों को धान विक्रय के लिए सहज और भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराया है। सरगुजा के ग्राम पंचायत कंचनपुर के कृषक कृष्ण कुमार राजवाड़े ने बताया कि उनके पास लगभग 260 क्विंटल धान है, जिसके लिए उन्होंने किसान तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर लिया। उन्होंने कहा कि ऐप आधारित सुविधा से समिति कार्यालय में भीड़ और बार-बार जाने की जरूरत समाप्त हो गई है, जिससे समय की बचत के साथ धान विक्रय प्रक्रिया पूरी तरह सरल हो गई है। उन्होंने बताया कि उपार्जन तिथि पर नमना कला धान उपार्जन केन्द्र पहुंचने पर तुरंत गेट पास जारी किया गया, नमी परीक्षण कराया गया और तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया गया। निर्धारित प्रक्रिया के सुचारु संचालन के कारण धान विक्रय बिना किसी रुकावट के संपन्न हुआ। किसानों के लिए केन्द्र में पेयजल, छायादार बैठने की सुविधा और समिति कर्मचारियों का सहयोग भी विशेष रूप से सराहनीय रहा। राज्य शासन के निर्णयानुसार इस वर्ष धान का समर्थन मूल्य ?3100 प्रति क्विंटल तय किया गया है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। श्री राजवाड़े ने कहा कि इस निर्णय से किसानों को महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिल रहा है।

सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त संगम है शिव पुराणः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सनातन परंपरा और आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिकता, संस्कार और सामाजिक समरसता को बल मिलता है। वे आज रायगढ़ जिले के बरगढ़ खोला अंचल के ग्राम-खम्हार में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में को सम्बोधित कर रहे थे।

गौरतलब है कि इस कथा का आयोजन देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की माताश्री हीराबेन मोदी की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से प्रदेश की जनता के लिए सुख, समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाल कथा व्यास श्री कृष्णा दुबे महाराज से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही भूमि है जहां प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय व्यतीत किया। माता शबरी के जूठे बेरों की महिमा आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सुगंधित चावल से बना प्रसाद अर्पित किया गया, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक दो वर्षों में 40 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या दर्शन कर चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत 19 चिन्हित तीर्थ स्थलों की यात्रा कराते हुए अब तक 5 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। कार्यक्रम को वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी संबोधित किया।

श्री शिव महापुराण कथा का वाचन अकोला से पधारे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाल कथा व्यास श्री कृष्णा दुबे महाराज द्वारा संगीतमय शैली में किया जा रहा है, जिसमें भगवान शिव, माता पार्वती सहित संपूर्ण शिव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है।

रायपुर देश में पहला शहर बना, जहां पार्थिवी सोसायटी में शुरू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग

60 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगा, 20 परिवारों को बिजली बिल में मिलने लगी बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने देशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक नई मिसाल कायम की है। इस योजना के तहत रायपुर की पार्थिवी पैसिफिक्क सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग (व्हीएनएम) का सफल संचालन होने से सोसायटी के फ्लैट में रहने वाले 20 परिवारों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने लगी है। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है।

वर्चुअल नेट मीटरिंग की इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है, जो अपार्टमेंट या बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं और जिनके पास छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। वर्चुअल नेट मीटरिंग के जरिए एक ही सोलर प्लांट से कई फ्लैट या परिवार बिजली का लाभ ले सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल काफी कम हो जाता है। पार्थिवी पैसिफिक्क सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी अब इस मॉडल को प्रदेश के अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता और अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और हरित भारत के विजन से जुड़कर अब अधिक से अधिक लोग सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे।

पार्थिवी पैसिफिक्क रिहायशी सोसायटी में एक ही सोलर प्लांट से 20 फ्लैटों में रहने वाले परिवार बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बिजली खर्च में भी बड़ी बचत हो रही है। यह सोलर प्रोजेक्ट कैपेक्स मॉडल पर लगाया गया है। यानी 20 परिवारों ने अपनी-अपनी राशि लगाकर सोलर प्लांट स्थापित किया और यह प्लांट पूरी तरह उन्हीं की संपत्ति है। पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 24 लाख रुपये आई। प्रत्येक परिवार ने लगभग 1.20 लाख रुपये का निवेश किया है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस योजना को और आकर्षक बनाते हुए अपनी ओर से 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों पर आर्थिक बोझ और कम होगा।

पार्थिवी पैसिफिक्क सोसायटी सोलर सिस्टम लगने के बाद इसका सीधा लाभ बिजली बिल में दिखने लगा। इस सिस्टम से सभी फ्लैट के बिजली बिल में सालाना 6 लाख 30 हजार रूपए की बचत होने की उम्मीद है। इसका मतलब यह है कि प्रत्येक परिवार को अपने बिजली बिल पर लगभग 31500 रूपए की बचत होगी। प्रत्येक परिवार को लगभग 300 यूनिट तक बिजली का क्रेडिट मिलने लगा है, जिससे मासिक बिजली खर्च में अच्छी-खासी कमी आई है।

छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग सचिव डॉ. रोहित यादव का कहना है कि वर्चुअल नेट मीटरिंग शहरी उपभोक्ताओं के लिए गेम-चेंजर है। इससे साझा रूप से सोलर ऊर्जा का लाभ मिलता है, बिजली बिल घटता है और राज्य में स्वच्छ ऊर्जा को तेजी से अपनाने में मदद मिलती है।

वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम क्या है

वर्चुअल नेट मीटरिंग के तहत मान लीजिए किसी अपार्टमेंट में 200 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाया गया है। हर फ्लैट के मीटर के साथ एक कंबाइंड मीटर जिसे एक्सपोर्ट मीटर भी कहते हैं, उसके जरिए बिजली ग्रिड में जाती है। बाद में, जितनी हिस्सेदारी जिस फ्लैट की होती है, उसी हिसाब से बिजली का लाभ सभी को उनके बिल में मिल जाता है।

बॉयोफ्लॉक तकनीक से मछली पालन से आत्मनिर्भरता की ओर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मत्स्य पालन को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ग्रामीण युवाओं के लिए आजीविका का सशक्त माध्यम बन रही है। कोरबा जिले के विकासखंड करतला अंतर्गत ग्राम बड़मार निवासी श्री संजय सुमन ने बॉयोफ्लॉक तकनीक अपनाकर मछली पालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित किया है और सीमित संसाधन के बावजूद अधिक उत्पादन कर वर्ष भर में 3 लाख 20 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

संजय सुमन ने अपनी 25 डिसमिल निजी भूमि पर बॉयोफ्लॉक तालाब का निर्माण कराया। इस तकनीक के अंतर्गत तालाब में विशेष लाइनर बिछाकर नियंत्रित वातावरण में पानी भरा जाता है, जिसमें तेजी से बढ़ने वाली उन्नत प्रजाति की मछलियों का पालन किया जाता है। बॉयोफ्लॉक तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें कम पानी और कम भूमि में अधिक उत्पादन होता है तथा वर्ष में दो बार उत्पादन लेकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत शासन द्वारा श्री संजय सुमन को 8 लाख 40 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। इस सहयोग से उन्होंने आधुनिक तकनीक आधारित मत्स्य पालन की शुरुआत की। पिछले वर्ष बॉयोफ्लॉक तालाब से लगभग 6 मैट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ, जिसकी बिक्री से उन्हें 7 लाख 20 हजार रुपये की कुल आय प्राप्त हुई। उत्पादन लागत घटाने के बाद उन्हें 3 लाख 20 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

अपनी सफलता से उत्साहित सुमन अब इस वर्ष उत्पादन क्षमता बढ़ाकर आय को दुगुना करने की योजना पर कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं और तकनीकी मार्गदर्शन से परंपरागत कृषि के साथ मत्स्य पालन भी स्थायी और लाभकारी व्यवसाय बन सकता है।

सरस्वती साइकिल योजना से बालिकाओं को मिला शिक्षा का संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां एवं लटोरी में आयोजित कार्यक्रमों में सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं की छात्राओं को साइकिलें वितरित की। करवां स्कूल में 44 तो वहीं लटोरी स्कूल में 102 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राएं, अभिभावक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। ग्रामीण अंचलों में साइकिल उपलब्ध होने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी और ड्रॉपआउट की समस्या में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि सुशासन सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सरस्वती साइकिल योजना बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधिगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर अपराध रोकने, डिजिटल सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएः मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 100वीं तिमाही बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में शासन की जनहित योजनाओं के अंतर्गत बैंक प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश बैंकर्स को दिए गये हैं। बैठक में राज्य स्तरीय लीड बैंक तथा अन्य बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई।

इसी तरह से राज्य के विभिन्न जिलों में बैंक नेटवर्क की स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा है कि राज्य के सभी इलाको में लोगों को बैंकिंग सुविधा मिले यह सुनिश्चित किया जाये। बैठक में जानकारी दी गई की राज्य में क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात का औसत उपलब्धि स्तर अब राष्ट्रीय स्तर के समकक्ष पहुंच

गया है, जो राज्य की मजबूत बैंकिंग प्रगति को दर्शाता है। बैठक में बैंकर्स को डिजिटल लेन-देन के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने कहा गया है।

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने उद्गम पोर्टल की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न बैंको के खातों में लोगों की राशि पिछले कई वर्षों से जमा है। बैंक में पड़ी ऐसी राशि जिसका अपने या अपने परिवार का दावा नहीं किये गये है ऐसे बचत खाताओं का पता लगाकर लोगों की मदद की जाये और उनकी जमा राशि वापिस की जाये। इसके लिए उद्गम पोर्टल की जानकारी लोगों को प्रचार-प्रसार कर दी जानी चाहिए। उद्गम पोर्टल बैंक खातेदारों को बताता हैं कि आपका पैसा कहां है और फिर आपको उस पैसे को पाने के लिए बैंकर्स से मिलकर आवश्यक औपचारिकताएं कर बैंको में कई वर्षों से पड़ी राशि प्राप्त की जा सकती है।

बैठक में डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में भी विशेष जागरूकता अभियान चलाए जायें, ताकि आमजन डिजिटल अपराधों से सावधान एवं सतर्क रहें। उन्होंने आधार से बैंक खातो को लिंक करने की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी बैंक खातों में आधार से लिंक किया जाये जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों को लाभ मिलेगा।

मुख्य सचिव ने बैंकों को ऋण वितरण (डिस्बर्समेंट) की प्रक्रिया में सुधार लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को सरल और शीघ्र प्रक्रिया के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाए, जिससे स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से राज्य के बस्तर क्षेत्र सहित अन्य ग्रामीण एवं दूरस्थ इलाकों में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने तथा जनहितकारी सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत राज्य में अब तक 11,680 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों, महिला स्वयं सहायता समूहों और कमजोर वर्गों को बैंकिंग सुविधा एवं योजनाओं की जानकारी दी गई।

महात्मा गांधी नरेगा योजना के क्रियान्वयन में कबीरधाम जिला फिर अग्रणी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार मिलने से ग्रामीण बहुत उत्साहित है। विकासखंड कवर्धा, बोडला, सहसपुर लोहारा एवं पंडरिया के लगभग सभी ग्राम पंचायतो में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से बड़ी मात्रा में निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं जिसमें ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार मिलने से उत्साहित है।

विगत कई दिनों से औसतन 32000 से अधिक ग्रामीणों को प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है और रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी पंक्ति में बना हुआ है। इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना अंतर्गत कई पैरामीटर में कबीरधाम जिला पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर बना हुआ है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया की

जिले के 427 ग्राम पंचायतों में 3532 निर्माण कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों में कच्ची नाली निर्माण, गाद निकासी कार्य, तालाब निर्माण कार्य, तालाब गहरीकरण, आजीविका डबरी, अमृत सरोवर सहित पशु शेड निर्माण जैसे अनेक कार्यों से ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। एक ओर इन कार्यों से ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अंचलों में उनकी मांग अनुसार अधोसंरचना निर्माण हो रहा है और इनके एवज में अभी तक 78 करोड़ 81 लाख रुपए का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों को उनके बैंक खाते हस्तांतरित किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में मनरेगा से पर्याप्त मात्रा में कार्य पूर्व से स्वीकृत है। ग्रामीणों की मांग पर लगातार निर्माण कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने बताया कि जिले के सभी ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार मिले इसके लिए निरंतर मैदानी कर्मचारियों की समीक्षा कर रोजगार सहायकों से निर्माण कार्यों की जानकारी ली जा रही है। वर्तमान में कबीरधाम जिले में लक्ष्य के विरुद्ध 55 प्रतिशत से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजन कर लिया गया है एवं चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक कबीरधाम जिला संभवतः सर्वाधिक रोजगार देने वाले जिले में शामिल होगा।

योजना के क्रियान्वयन पर जानकारी देते हुए प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विनय कुमार पोयाम ने बताया कि 3347 ग्रामीण परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। रोजगार देने का सिलसिला निरंतर जारी है और इसके साथ ही समय पर मजदूरी भुगतान भी किया जा रहा है। आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आजीविका डबरी एवं पशु आश्रय शेड का निर्माण हो रहा है साथ मे जल संरक्षण के कार्य को भी प्राथमिकता से किया जा रहा है।

मनरेगा के विभिन्न आयाम में कबीरधाम जिला राज्य में प्रथम

-सर्वाधिक दिव्यांगों को रोजगार-जिले में योजना अंतर्गत 1994 दिव्यांगों को रोजगार प्रदाय किया गया है जो प्रदेश में सर्वाधिक है।
- सर्वाधिक महिलाओं को रोजगार-जिले में 100597 पंजीकृत महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है जो कि प्रदेश में सर्वाधिक है।
- सर्वाधिक पंजीकृत परिवारों को रोजगार- जिले में 101405 पंजीकृत परिवारों को रोजगार प्रदान किया गया है जो कि प्रदेश में सर्वाधिक है।
- मानव दिवस रोजगार में अग्रणी-जिले में 35 लाख 60 मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को दिया गया है जो कि प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।
-प्रतिदिन ग्रामीणों को रोजगार- प्रतिदिन ग्रामीणों को रोजगार प्रदान करने के मामले में भी कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। यहां औसतन 32000 से अधिक मजदूरों को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है।

जब 4 साल की उम्र में फातिमा सना शेख को सेट पर पड़ी थी जोरदार डांट, संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था।

दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था।

सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए।

फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं।

बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

नौ साल बड़े धनुष से शादी करेंगी मृणाल? वेलेंटाइन डे पर बनेंगे एक-दूजे के हमसफर!

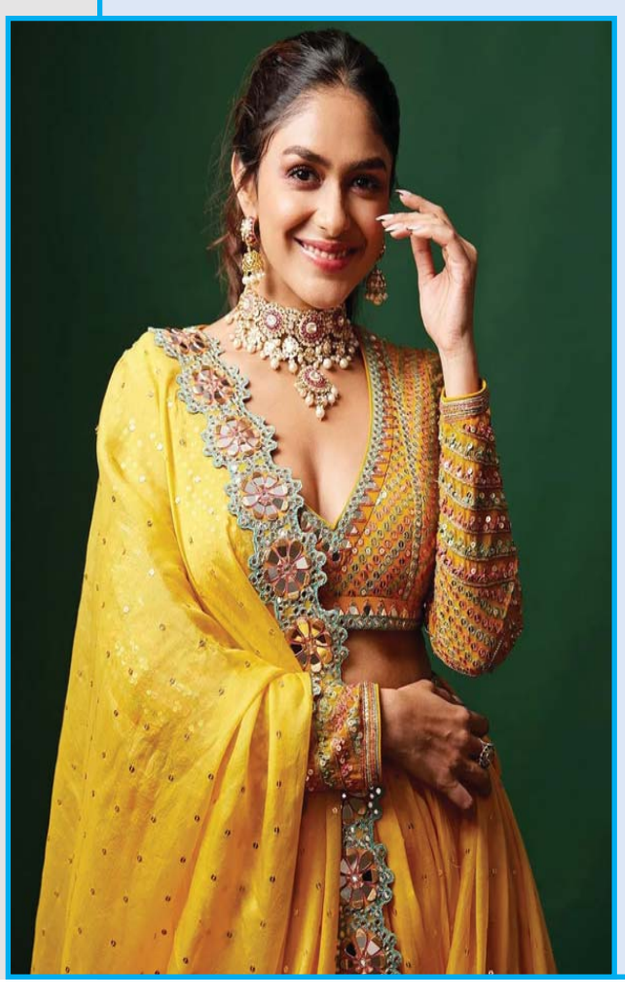

साउथ सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर को लेकर काफी वक्त से खबर है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसी बीच इंडस्ट्री में दोनों की शादी को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई। एक्टर धनुष का नाम मृणाल ठाकुर के साथ बीते एक साल से जोड़ा जा रहा है। फैंस लंबे वक्त से दोनों के रिलेशनशिप पर मुहर लगाने के इंतजार कर रहे है। हालांकि, इस मामले पर अब तक न तो मृणाल ने कुछ कहा है और न ही खुद धनुष ने कोई बयान दिया।

इंडस्ट्री में उड़ी ऐसी अफवाह

अब इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों की मानें तो धनुष और मृणाल इस रिश्ते को नया नाम देने की तैयारी कर रहे हैं। फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इस वेलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अब तक दोनों ने ही कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इससे पहले पिछले साल जब मृणाल से एक इंटरव्यू में धनुष के बारे में सवाल कियाा गया तो उन्होंने कहा था कि वो और धनुष सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

'सन आफसरदार 2' की स्क्रीनिंग से उड़ी थी अफवाह

धनुष और मृणाल ठाकुर के डेटिंग की अफवाह फिल्म 'सन आफसरदार 2' के प्रीमियर से उड़ी थी। यहां धनुष, मृणाल के बुलावे पर पहुंचे थे। इसके बाद भी दोनों कई जगह साथ नजर आए। हाल ही में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप अप पार्टी में भी मृणाल पहुंचीं थीं। एक शो पर इस जोड़े के करीबी सूत्र ने भी ये बताया था कि दोनों डेट कर रहे हैं। सूत्र ने कहा था कि धनुष का परिवार जिस तरह सोशल मीडिया पर मृणाल को फॉलो करता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार इस रिश्ते पर सहमत है।

क्या वजन घटाने के लिए भूखा रहना सही है? जानिए क्या है इस बात की सच्चाई

वजन घटाने के लिए कई लोग दिन-दिनभर भूखे रहते हैं। वे या तो दिन में एक ही बार भोजन करते हैं या फिर केवल 2 मील लेते हैं। यह एक आम धारणा है, लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है, इस पर ज्यादा बात नहीं होती। इस लेख में हम इसी भ्रम को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि क्या वाकई भूखा रहना वजन घटाने का सही तरीका है या नहीं।

भूखा रहना क्या सच में असरदार है?

भूखा रहना कभी-कभी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसे लंबे समय तक जारी रखना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। जब आप भूखे रहते हैं तो आपका शरीर ऊर्जा बचाने के लिए शरीर की क्रियाओं को धीमा कर देता है, जिससे वजन घटाना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा भूखे रहने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए, हमेशा संतुलित डाइट लेने पर ध्यान दें।

शरीर की क्रियाएं होती हैं प्रभावित

भूखा रहने से शरीर की क्रियाएं धीमी हो जाती हैं, जिससे वजन घटाना मुश्किल हो जाता है। जब आप खाना बंद करते हैं तो आपका शरीर ऊर्जा बचाने के लिए क्रियाओं को धीमा कर देता है, जिससे कैलोरी जलना कम हो जाता है। भूखे रहने से शरीर ऊर्जा के लिए वसा को जलाने तो लगता है, लेकिन उसकी मात्रा ज्यादा होने पर आप बीमार भी पड़ सकते हैं।

शरीर को मिलता है झटका

भूखा रहना शरीर को झटका दे सकता है और इससे कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। जब आप खाना बंद करते हैं तो आपका शरीर कमजोर हो जाता है और प्रतिरोधक क्षमता भी कम होती जाती है। इसके अलावा भूखे रहने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे आप बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। इस आदत से खून की कमी होने और ब्लड प्रेशर व ब्लड शुगर घटने का खतरा रहता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असर

भूखा रहने से मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। भूखे रहने पर चिड़चिड़ापन, उदासी और चिंता जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा इस आदत के चलते पसंदीदा खाना खाने की इच्छा मारनी पड़ती है, जिससे उदासी बढ़ने लगती है। कुछ लोग चिंता और तनाव का शिकार होने के कारण भी खाना छोड़ देते हैं, जिससे उनकी तबियत और बिगड़ने लगती है और आलस आता रहता है।

सही तरीका क्या है?

वजन घटाने का सही तरीका यह है कि आप संतुलित डाइट लें और नियमित एक्सरसाइज करें। इसके लिए खान-पान छोड़ने के बजाय पौष्टिक चीजें खाना शुरू करें। अपनी डाइट से जंक फूड और तैलीय भोजन को निकाल दें। साथ ही नियमित रूप से एक्सरसाइज करें, ताकि आपका शरीर सक्रिय रहे और क्रियाएं भी तेज हो सकें। भूखा रहने के बजाय स्वस्थ विकल्प चुनें और अपने शरीर को जरूरी पोषक तत्व दें, ताकि आपकी सेहत बेहतर हो सके।

जन्मदिन पर विजय सेतुपति की 'गांधी टॉक्स' का टीजर रिलीज; बिना डायलॉग दिखी प्यार सस्पेंस-इमोशन और एक्शन की झलक

विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी स्टारर 'गांधी टॉक्स' का टीजर जारी हुआ है। साउथ के दिग्गज अभिनेता विजय सेतुपति अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी आगामी फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर जारी हुआ। मेकर्स ने विजय के फैंस को तोहफा देते हुए फिल्म का टीजर रिलीज किया है। इस फिल्म की खासियत ये है कि यह एक साइलेंट फिल्म है। बीते दिनों फिल्म की घोषणा की गई थी। अब आज इसका टीजर सामने आया है, यहां जानिए कैसा है टीजर।

साइलेंट टीजर में छाए विजय सेतुपति

साइलेंट फिल्म होने के नाते टीजर में कोई डायलॉग नहीं। इस टीजर में फिल्म की पूरी कास्ट की झलक दिखती है, जिसमें विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव नजर आते हैं। टीजर की शुरुआत करप्शन से होती है, जिसमें दिखाया जाता है कि कैसे हर जगह रिश्वत चलती है। फिर वो चाहें ट्रैफिक पुलिस हो या कोई और सरकारी दफ्तर। बिना डायलॉग्स के भी इस टीजर में लव, इमोशन, एक्शन और सस्पेंस देखने को मिलता है। टीजर में विजय सेतुपति अपनी अलग छाप छोड़ते हैं। साथ ही ये टीजर दर्शाता है कि फिल्म गांधी जी के मूल्यों की वर्तमान समय में क्या हालात हैं, इसको लेकर एक व्यंग्य है। फिल्म में एक संदेश देने का भी प्रयास किया गया है। इतना तो जाहिर है कि ये टीजर 'गांधी टॉक्स' के एक शानदार फिल्म होने का संकेत देता है।

30 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म

किशोर पांडुरंग बेलेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एआर रहमान ने संगीत दिया है। जाहिर है कि जब फिल्म साइलेंट है तो इसमें संगीत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। 1 मिनट 34 सेकंड का ये टीजर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचता है। मौन फिल्म के प्रभाव को और भी बढ़ा देता है, जिससे दर्शक हर सीन के बीच छिपे अर्थ को समझने और अनकही बातों के गहरे अर्थ को महसूस करने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संदीपा धर ने लाल ड्रेस में बढ़ाया ग्लैमर का पारा

अभिनेत्री संदीपा धर जानती हैं कि स्टाइल स्टेटमेंट कैसे बनाया जाता है, और उनकी हालिया अपीयरेंस इस बात का शानदार सबूत है। बोल्ड रेड ड्रेस में नजर आईं संदीपा ने ग्लैमर, कॉन्फिडेंस और अट्रैक्शन का ऐसा परफेक्ट मेल पेश किया कि फैशन लवर्स और फैंस दोनों ही प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रेड एन्सेंबल का डेरिंग सिलुएट और स्ट्रैटेजिक कट-आउट्स संदीपा की टोंड फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट करते हैं।

हाल्टर नेकलाइन उनके कॉलरबोन्स और शोल्डर्स को हाइलाइट करती है, जबकि फिगर-हगिंग फिट उनकी कर्व्स को एलिगेंट और सेंसुअस अंदाज़ में उभारता है। थाई-हाई स्लिट लुक में ड्रामैटिक टच जोड़ता है, जिससे यह आउटफिट सोफिस्टिकेशन और बोल्ड हॉटनेस के बीच बेहतरीन बैलेंस बनाता है। इस लुक को खास बनाती है संदीपा का इसे कैरी करने का अंदाज़। उनका कॉन्फिडेंट पॉश्चर, फ्लुइड पोज़ और सहज ग्रेस इस ड्रेस को सिर्फ फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक पावरफुल स्टाइल स्टेटमेंट बना देते हैं।

कंधों पर गिरती सॉफ्ट वेव्स और मिनिमल मेकअप लुक को सटल रखते हुए ड्रेस पर फोकस बनाए रखते हैं, जबकि उनकी ग्लोइंग स्किन और एक्सप्रेसिव आंखें मैग्नेटिक अपील को और बढ़ा देती हैं।

विशेष रूप से अक्सर पैशन और पावर का रंग माना जानेवाला लाल रंग ऐसा लग रहा है, जैसे वो ख़ास तौर पर संदीपा धर के लिए ही बना हो। यह शेड उनके कॉम्प्लेक्शन को न सिर्फ खूबसूरती से निखार रहा है, बल्कि उनकी बोल्ड ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी को और भी उभार रहा है, जिससे यह लुक एक साथ फियरी और रिफाइंड नजर आ रहा है।

संदीपा धर अपने अपीयरेंस से यह भी साबित कर रही हैं कि सच्चा स्टाइल सिर्फ पहनावे में नहीं, बल्कि उसे निभाने के अंदाज़ में होता है।

इस शानदार रेड ड्रेस मोमेंट के साथ संदीपा धर एक बार फिर साबित करती हैं कि वह एलिगेंस और ऊम्फ के बीच बेहद आसानी से मूव कर सकती हैं।

ऐसे में यह कहें तो बिलकुल गलत नहीं होगा कि हॉट, कॉन्फिडेंट और फैशन-फॉरवर्ड के साथ लगातार स्टाइल गोल्स सेट करती जा रही संदीपा धर इंडस्ट्री की सबसे एफर्टलेसली ग्लैमरस एक्ट्रेसेज़ में अपनी जगह और मजबूत कर रही हैं।

खास खबर

सुकमा में बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर संभाग की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोक कलाओं के संरक्षण दिशा में अनूठी पहल करते हुए श्बस्तर पंडुम-2026श् के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शबरी ऑडिटोरियम में आयोजित इस उत्सव में समूचे क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति जीवंत हो उठी। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के मूल स्वरूप चाहे वह वेशभूषा हो, आभूषण हों या पारंपरिक वाद्य यंत्रकृको आने वाली पीढ़ी के लिए सहेज कर रखना है। प्रतियोगिता के दौरान कुल 12 अलग-अलग विधाओं में कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें लोक नृत्य, पारंपरिक गीत, नाट्य कला और शिल्प कला जैसे क्षेत्र शामिल थे। प्रत्येक विधा के प्रथम विजेताओं को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। अन्य सभी प्रतिभागियों को उनकी कला और उत्साह के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया, जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए स्थानीय व्यंजनों जैसे माड़िया पेज, लांदा, सल्फी और चापड़ा चटनी की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्ग से सुंदर बस्तर को बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति के संवर्धन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। खान-पान और रहन-सहन ही हमारी पहचान है और इसे जीवित रखना अनिवार्य है।

कायाकल्प योजना में जिला चिकित्सालय सूरजपुर को प्रदेश में पहला स्थान

रायपुर। कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजना 2024-25 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय सूरजपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला चिकित्सालय ने 94.9 प्रतिशत अंक अर्जित कर यह उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन के निर्देशन में जिले में निरंतर सुदृढ़ की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का परिणाम है। कायाकल्प योजना के परिणामों में जिले के 04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रकृभैयाथान, प्रतापपुर, बिश्रामपुर एवं लटोरीकृसहित 36 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 99 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों ने भी 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया है। यह जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि कायाकल्प योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छता, साफ-सफाई एवं संक्रमण नियंत्रण के उच्च मानकों की स्थापना करना है। इसके अंतर्गत ऐसी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाता है।

प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : अरुण साव

छत्तीसगढ़ में पेयजल व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार, जल जीवन मिशन से 32 लाख से अधिक घरों तक पहुंचा नल से जल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री साव ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 40 लाख 87 हजार 27 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे 32 लाख घरों तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। उन्होंने बताया कि मिशन लागू होने से पूर्व प्रदेश में केवल 3 लाख 19 हजार 741 घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के बीते दो वर्षों में इस संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराया जाए और छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही 'हर घर जल' राज्य के रूप में स्थापित किया जाए।

श्री साव ने कहा कि वर्तमान में 6,572 ग्रामों में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण हो चुके हैं। वहीं 5,564 ग्रामों को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है, जिनमें से 4,544 ग्रामों को विधिवत प्रमाणित किया जा चुका है, विगत दो वर्षों में हर घर सर्टिफाइड ग्रामों की संख्या में पूर्व की तुलना में 750 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 5,088 ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति व्यवस्थाओं का हस्तांतरण भी किया गया है।

प्रेस वार्ता में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में 3,08,287 हैंडपंप, 4,440 नलजल योजनाएं और 2,132 स्थल जल प्रदाय योजनाएं संचालित थीं। वर्तमान में 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे 3,208 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं तथा 9 लाख 85 हजार से अधिक घरेलू नल कनेक्शन इन योजनाओं के माध्यम से जुड़े हैं।

जल गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए श्री साव ने बताया कि राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं संचालित हैं, जिनमें 47 प्रयोगशालाएं एनएबीएल मान्यता प्राप्त हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए पेयजल से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु टोल फ्री नंबर 1800-233-0008 भी प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। दोषपूर्ण कार्यों के कारण बीते दो वर्षों में 28 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक का अर्थदंड लगाया गया, 629 अनुबंध निरस्त किए गए तथा 11 फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया। इसके साथ ही दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि शेष बचे लगभग 8 लाख घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) का निर्माण, 21 हजार से अधिक अधूरी योजनाओं को पूर्ण करना, 24 हजार से अधिक योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करना तथा सभी प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता है।

मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण पर जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री ने बताया कि बीते दो वर्षों में विभाग में 403 रिक्त पदों का सृजन, 213 पदों पर नियुक्ति, 103 कर्मचारियों को पदोन्नति तथा 877 शासकीय सेवकों को समयमान-वेतनमान का लाभ प्रदान किया गया है।

आधुनिक तकनीक से बढ़ा सब्जी का उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्यानिकी विभाग की सहायता से आधुनिक तकनीक अपनाकर दंतेवाड़ा जिले के गीदम विकासखंड के ग्राम मड़से के प्रगतिशील कृषक शिवराम वेक ने अपनी खेती को नई दिशा दी है। विभागीय मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग से उन्होंने वर्ष 2024-25 में 1000 वर्ग मीटर का शेडनेट हाउस स्थापित किया। इसमें उन्होंने बरबट्टी की उन्नत किस्मों का उत्पादन शुरू किया, जिससे उन्हें अपेक्षा से अधिक उपज मिली।

शेड नेट हाउसएक कृषि संरचना है जिसमें जालीदार नेट का उपयोग करके एक ढाँचा बनाया जाता है, जो पौधों को तेज़ धूप, कीटों, और अत्यधिक मौसम से बचाता है, साथ ही ज़रूरी नमी, हवा और सूरज की रोशनी को अंदर आने देता है, जिससे फसलों के लिए अनुकूल

सूक्ष्म वातावरण बनता है, विशेषकर फूल, सब्जियां और नर्सरी पौधों के लिए यह फायदेमंद है, इसे नेट हाउस या छाया घर भी कहते हैं और यह कम लागत में बेहतर उत्पादन और पानी की बचत करता है।

शेडनेट निर्माण से तापमान नियंत्रित हुआ, फसल को कीटों से सुरक्षा मिली और मिट्टी में नमी भी बनी रही। ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग करने से पानी की बचत हुई और पौधों को लगातार उचित नमी मिलती रही। इन नियंत्रित परिस्थितियों के कारण उत्पादन खुले खेत की तुलना में 35-40 प्रतिशत तक बढ़ गया। शेडनेट में तैयार हरी बरबट्टी स्थानीय बाजार में अच्छी कीमत पर बिकी, जिससे शिवराम वेक को नियमित नकद आय मिलने लगी।

शेडनेट में सफलता मिलने के बाद शिवराम ने 0.20 हेक्टेयर खुले क्षेत्र में सेम की खेती शुरू की। गुणवत्ता वाले पौध, जैविक खाद, ट्रेलिस (मचान) विधि और मौसम अनुसार सिंचाई ने फसल को मजबूत बनाया। इसके परिणामस्वरूप सेम की फलन क्षमता बढ़ी और बाजार में अच्छी मांग मिलने से प्रति चक्र उन्हें 15,000 से 20,000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

नई तकनीक अपनाने की उनकी इच्छाशक्ति और मेहनत ने उनकी खेती को लाभकारी बना दिया। अब वे अपनी सब्जियों को सीधे स्थानीय हाट-बाजार और थोक विक्रेताओं तक पहुँचाते हैं, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई। शेडनेट और सब्जी उत्पादन से उनकी मासिक आय में लगभग 8-12 हजार रुपये की लगातार वृद्धि दर्ज की गई। आज शिवराम वेक गांव के अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गए हैं। शासकीय योजनाओं और उद्यानिकी विभाग की तकनीकी सहायता से उन्होंने सिद्ध किया है कि आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से रोशन हुआ घर, बिजली बिल से मिली बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के जीवन में स्वच्छ ऊर्जा के साथ आर्थिक राहत का भरोसा लेकर सामने आई है। यह योजना न केवल बिजली खर्च में कमी ला रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी मजबूत कर रही है। मुंगेली जिले में इस योजना का लाभ लेकर नरेश शुक्ला ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कराया है, जिससे उनके घरेलू बिजली बिल में बड़ी राहत मिली है।

श्री शुक्ला बताते हैं कि सोलर प्लांट लगने से पहले उनके घर का बिजली बिल अधिक आता था, जिससे मासिक खर्च बढ़ जाता था। अब सोलर सिस्टम के माध्यम से स्वयं बिजली उत्पादन होने से बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। वे बिना चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं और अतिरिक्त बचत का उपयोग अन्य आवश्यकताओं में कर रहे हैं। उनके अनुसार यह योजना आम उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार भी व्यक्त किया। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा आकर्षक सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

पक्के घर ने बदला जीवन, बढ़ा मान-सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झलमला के ग्राम सोनवाही में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने एक बैगा परिवार के जीवन की दिशा ही बदल दी है। वर्षों से कच्चे मकान में असुरक्षा के बीच जीवन गुजार रहीं श्रीमती फूलबतिया बाई बैगा को अब एक सुरक्षित, मजबूत और सम्मानजनक पक्का आवास मिल गया है।

जिला मुख्यालय कबीरधाम से लगभग 70 किलोमीटर दूर बसे इस वनांचल गांव में हर मानसून श्रीमती फूलबतिया बाई के लिए चिंता लेकर आता था। मिट्टी की कमजोर दीवारें, दरकती खपरैल और टपकता बरसाती पानी उनके दैनिक जीवन की बड़ी चुनौती थे। सीमित आय और संसाधनों के अभाव में पक्का मकान बनाना उनके लिए असंभव था। दूरस्थ क्षेत्र में निवास के कारण यह विश्वास भी कम होता जा रहा था कि शासकीय योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच पाएगा। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के सर्वे में नाम शामिल होने के बाद उनके जीवन में आशा की किरण जगी। योजना के अंतर्गत स्वीकृत सहायता राशि कार्य की प्रगति के अनुसार प्राप्त हुई। इसके साथ ही रोजगार गारंटी योजना में जॉब कार्ड पंजीयन के बाद 95 दिवस का रोजगार एवं मजदूरी मिली, जिससे आवास निर्माण में सहयोग मिला। आज श्रीमती फूलबतिया बाई अपने पक्के मकान में सुकून और आत्मविश्वास के साथ जीवन यापन कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला पक्का मकान और सम्मानजनक जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में न केवल पक्के मकानों का निर्माण कर रही है, बल्कि गरीब परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में आगे बढ़ा रही है। जांजगीर-चांपा जिले की ग्राम पंचायत अकलतरी की निवासी श्रीमती चंद्रिका बाई की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि शासन की योजनाएं जब ज़मीन पर प्रभावी ढंग से लागू होती हैं, तो जीवन की तस्वीर बदल जाती है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहीं श्रीमती चंद्रिका बाई वर्षों से खपरे की छत वाले कच्चे मकान में रहने को मजबूर थीं। बरसात के मौसम में पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना और असुरक्षा का भय

उनके दैनिक जीवन का हिस्सा था। सीमित आय के कारण वे न तो नया मकान बना पा रही थीं और न ही पुराने छप्पर की मरम्मत करा पाने की स्थिति में थीं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत चंद्रिका बाई का आवास स्वीकृत हुआ। शासन द्वारा 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि उनके खाते में चरणबद्ध रूप से आबंटित की गई। जिससे उनका पक्का मकान बनकर तैयार हुआ। आज श्रीमती चंद्रिका बाई अपने मजबूत, सुरक्षित और सुविधायुक्त पक्के मकान में ससम्मान जीवन यापन कर रही हैं। उन्हें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एलपीजी कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत जलवाहित शौचालय का भी लाभ मिला है, जिससे उनके जीवन में स्वच्छता और सुविधा दोनों सुनिश्चित हुई हैं।

चंद्रिका बाई कहती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे जैसे गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह कहानी केवल एक मकान बनने की नहीं, बल्कि उस विश्वास की है, जो शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के जीवन में स्थायी बदलाव के रूप में स्थापित कर रही हैं।

वन मंत्री कश्यप ने 17 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव जिले के सुदूर वनांचल के गांव तोतर और कांगा में कुल 17 करोड़ 09 लाख 76 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही नि:शुल्क सायकल वितरण योजना के तहत 26 स्कूली छात्राओं को सायकल भी वितरित किया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि आज क्षेत्र में स्टॉपडेम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है, जिसके पूर्ण होने से क्षेत्र के अनेक किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेती-किसानी को सशक्त बनाने तथा किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा उन्हें लखपति दीदी बनाने की दिशा में भी ठोस पहल की जा रही है। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी योजना प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत ग्रामीणों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जा रही है। सभी योजनाओं की राशि हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके खातों में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत आज गांव-गांव तक पक्की सड़कों का विस्तार हो रहा है, जो देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हर गांव में मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि योजना और महतारी वंदन योजना से ग्रामीणजन सशक्त हो रहे हैं। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री टोमेंद्र ठाकुर ने भी ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बात कही।

कोण्डागांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत तोतर में आज कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आधारभूत संरचना के विकास हेतु कुल 3 करोड़ 13 लाख 87 हजार रूपए की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों में ग्राम तोतर में देवगुड़ी निर्माण (शेड निर्माण कार्य) देवगुड़ी लागत 3 लाख रूपए, गांवकरीन मावली माता गुड़ी के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य 3 लाख रूपए, हंगवा मार्ग से गयारी मार्ग में 2 मीटर पुलिया निर्माण 6 लाख रूपए, आमागांव में स्टॉप डैम सह पुलिया निर्माण कार्य 259.87 लाख रुपए, ग्राम गोलावण्ड में देवगुड़ी निर्माण बुड़ई माता,गोलावड 3 लाख रूपए, पंचायत भवन के पास 15 लाख रूपए की लागत से सामुदायिक शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसी प्रकार बजरंग माता गुड़ी के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य 3 लाख रूपए, मयूरडोंगर पंचायत अंतर्गत देवगुड़ी निर्माण, मां हिंगलाजिन माता मंदिर करियाकाटा कार्य 10 लाख रूपए करियाकाटा बाजार पसरा के पास सामुदायिक शेड निर्माण कार्य कार्य 15 लाख रूपए, ग्राम केजंग के कुदलापारा में सरसों के खेत के पास 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य 4.50 लाख रुपए, ग्राम छोटेउसरी में 5 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। ग्राम रेंगागोंदी मुख्य मार्ग से गहुरपारा सड़क में धनीराम के खेत के पास 1.5 मीटर पुलिया निर्माण 4.50 लाख रूपए, टेमरूगांव से पुजारीपारा पहुंच मार्ग में 2 मीटर पुलिया निर्माण 6 लाख रूपए, ग्राम झारा में बाजार पसरा रोड में 1.50 मीटर पुलिया निर्माण कार्य 4.50 लाख रूपए, बोरगांव में उपासु घर के पास 3 मीटर पुलिया निर्माण 9 लाख रूपए, हंगवा तोतर रोड में विनोद के खेत के पास 1.50 मीटर पुलिया निर्माण 4.50 लाख रूपए सहित कुल 313.87 लाख रूपए के कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

वन मंत्री ने ग्राम कांगा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में ग्राम मर्दापाल में पंचायत भवन के पास सामुदायिक शेड एवं मंच निर्माण कार्य लागत 19.85 लाख रुपये, ग्राम कांगा में देव वनों का संरक्षण एवं संवर्धन के तहत देवगुड़ी निर्माण (शेड निर्माण कार्य), सोनाबेड़िन माता कांगा लागत 3 लाख रुपये, कोसरपदर से गोलावंड तक 318.51 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 3 कि.मी. डामरीकरण सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। इसी प्रकार कांगा आमापदर से कोसरपदर, टेगनापखना होते हुए हीरामंदला तक 8 कि.मी. डामरीकरण सड़क लागत 1047.03 लाख रुपये, ग्राम चांगेर में देव वनों का संरक्षण एवं संवर्धन के तहत देवगुड़ी निर्माण (शेड निर्माण कार्य), शीतला माता मंदिर कोड़ेनार, चांगेर लागत 3 लाख रुपये, ग्राम पदनार के मंगावल रोड में लखमु के खेत के पास 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य लागत 4.50 लाख रुपये सहित कुल 1395.89 लाख रुपये का भूमिपूजन शामिल है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

पुलिया के पास युवक का फांसी से लटका मिला शव

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र के पंडरमुडा पुलिया के पास शुक्रवार सुबह एक युवक का फांसी से लटका शव मिला। सुबह करीब 9 बजे ग्रामीणों ने युवक को फंदे पर लटका देखा तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा के बाद शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतक की पहचान जांजगीर-चांपा जिले के चचिया निवासी सुरेंद्र राठिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार युवक अपने परिवार के साथ गौरा-गौरी महोत्सव में शामिल होने ग्राम छीरपानी आया था। सुबह वह घर से निकला था, जिसके बाद यह घटना सामने आई। युवक ने किस वजह से फांसी लगाई, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है।

पिकअप की टक्कर से सब्जी व्यापारी की मौत

गेवरा-दीपका। गेवरा-दीपका व्यापार करके ज्वाली बाजार से लौट रहे सब्जी व्यापारी को चाकाबूड़ा के पास तेजरफ्तार पिकअप के ठोकर मार दी। घटना में सब्जी व्यापारी की मौत हो गई। घटना दीपका थाना अंतर्गत चाकाबुड़ा मुख्य मार्ग पर गुरुवार की रात करीब 8.30 बजे हुई। जहां सोमवारी बाजार (दीपका) निवासी सब्जी व्यापारी रवि धीवर (50) ज्वाली बाजार से व्यापार करके बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान पिकअप के चालक ने तेजरफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए रवि धीवर की बाइक को ठोकर मार दी। घटना के बाद परिजन ने रवि धीवर को दीपका अस्पताल पहुंचाया, जहां गंभीर स्थिति देखते हुए बड़े अस्पताल ले जाने को कहा गया। परिजन शहर के निजी अस्पताल पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मेला घुमाने के बहाने मूकबधिर युवती को शराब पिलाकर किया अनाचार

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र में मूकबधिर व श्रवण बाधिक युवती से अनाचार का मामला सामने आया है। पुलिस ने दुष्कर्म करने वाले आरोपी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना 13 जनवरी की है। मूकबधिर युवती को धरमुटोला निवासी आरोपी कांशी राम जांगड़े मेला घुमाने के बहाने अपनी बाइक में बैठाकर ले गया। आरोपी युवती को मूंद गांव लेकर गया जहां अपने साथी रितेश लोधी के किराए के मकान में पहले युवती को शराब पिलाई फिर उससे अनाचार किया। इसके बाद रात करीब 7.30 बजे युवती को नशे के हालत में उसके घर के सामने छोड़कर फरार हो गया। युवती को देखकर उसके परिजनों ने पूछताछ की। जिसने ईशारे में अपने साथ हुए घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी कांशी राम जांगड़े और रितेश लोधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चांपा में 20 लाख की लूट, मास्टरमाइंड सहित चार गिरफ्तार, 13 लाख से ज्यादा बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में हुई 20 लाख की लूट का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने मास्टर मास्टर माइंड योगेश रात्रे सहित 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दो माह पूर्व बनी योजना के बाद आरोपियों ने प्रार्थी का अपहरण किया और लूटने के बाद गहरी खाई में धक्का देकर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 13 लाख 75 हजार रुपए और अपहरण में प्रयुक्त कार, चाकू, बेसबाल स्टीक व पांच मोबाइल जब्त किया है।

इस मामले में हरीश देवांगन निवासी चाम्पा द्वारा थाना चाम्पा में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। उसने बताया कि मेसर्स अरविंद इंडस्ट्रीज चाम्पा में विगत 04-05 सालों से सुपरवाईजर का काम करता है तथा कैश कलेक्शन के लिए अलग-अलग जगह जाता रहता है। 9 जनवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे हरीश देवांगन कंपनी का राशि कलेक्शन के लिए मोटर सायकल से सक्ती के लिए निकला था। कलेक्शन की राशि कुल 20 लाख 18 हजार 700 रुपए लेकर वापस चाम्पा लौट रहा था।

कार में जबरन बिठाकर ले गए बदमाश

दोपहर करीबन 3.30 बजे ग्राम कोसमंदा मेन रोड तालाब के पास काले रंग की कार रोकी और उसमें सवार व्यक्तियों ने हरीश के आंख पर मिर्च पावडर फेंका। जब आंख साफ करने लगा इसी समय तीन व्यक्ति कार से उतर कर इसके बैग को छिन रहें थे। विरोध करने पर कार सवारों ने हरीश को जबरन पकड़कर कार के अंदर बैठाया। रात्रि करीबन 09.00 बजे मैनपाट सेल्फी पाइंट के पास ले जाकर हरीश को धक्का देकर गिरा दिया और सभी भाग गए। हरीश रात भर खाई में पेड़ के सहारे फंसा हुआ था सुबह हुआ तो पेड, पत्थर के सहारे रोड पर आया लिफ्ट के माध्यम से कापू पहुंचकर एक कम्प्यूटर दुकान से मोबाइल मांग कर घटना की सूचना अपने आफिस में दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सभी रास्तों के सीसी टीवी फुटेज खंगाले

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी एवं प्रकरण के शीघ्र निराकरण के लिए सायबर टीम को निर्देशित किया गया। पुलिस व सायबर टीम द्वारा घटनास्थल से लगे सीसीटीवी आरोपियों के भागने के संभावित रास्तों की जांच की गई। इस दौरान संदिग्ध वाहन घटना स्थल से निकलकर पिसौद, चाम्पा, पहरिया, बलौदा होते हुए कोरबा की तरफ जाती हुई दिखी। वाहन के बनावट एवं आधे अधूरे नंबर का सही आंकलन के बाद काली कार की पहचान की गई। कार के मालिक की जानकारी ली गई जो बिरगहनी चाम्पा निवासी अमीर मिरी का होना ज्ञात हुआ। उक्त वाहन मालिक के संबंध में पता करने पर पूर्व में भी चोरी जैसे मामलों में संलिप्त होने जेल जाना पता चला जिससे यकीन हो गया कि आरोपियों द्वारा घटना इसी वाहन से किया गया है।

वाहन मालिक को हिरासत में लेकर की पूछताछ

वाहन मालिक अमीर मिरी को तकनीकि मदद के आधार पर पकड़कर हिरासत लिया। घटना के बारे में पूछताछ करने पर बताया कि अपने साथी योगेश रात्रे, जमुना सेवायक, महेश्वर दिवाकर एवं एक अन्य साथी के साथ मिलकर करीबन दो माह पूर्व पैसा कमाने की योजना बना रहें थे तब योगेश रात्रे बताया कि अरविंद इंडस्ट्रीज का सुपरवाईजर हरीश देवांगन समय समय पर सक्ति तरफ से कंपनी का पैसा कलेक्शन कर आता है। सुपरवाईजर हरीश का फोटो और पैसा लेकर आने की जानकारी मिलने पर लूट की योजना बनी। योजना के मुताबिक सभी ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों के मेमोरण्डम के आधार पर लूट की रकम में से 13 लाख 75 हजार रुपए घटना में प्रयुक्त कार, चाकू, बेसबाल स्टीक एवं 05 नग मोबाईल को बरामद किया गया है। प्रकरण में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी जारी है। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी सायबर सेल जांजगीर चाम्पा निरीक्षक सागर पाठक थाना प्रभारी चाम्पा निरीक्षक अशोक वैष्णव, उपनिरीक्षक बेलसज्जर लकड़ा, एएसआई उमेंद्र मिश्रा, सायबर टीम के एएसआई विवेक कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक विवेक सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज तिग्गा, राजकुमार चन्द्रा, आरक्षक गिरीश कश्यप, प्रदीप दुबे, रोहित कहरा, शाहबाज अहमद, माखन साहू, श्रीकांत सिंह, प्रतीक सिंह, आशुतोष कर्ष का सराहनीय योगदान रहा।

गिरफ्तार आरोपी के नाम

योगेश रात्रे उर्फ छोटे पिता नरसिंग रात्रे उम्र 32 साल निवासी बिरगहनी थाना जांजगीर, जमुना सेवायक पिता गणेश सेवायक उम्र 25 साल निवासी चरणनगर चाम्पा थाना चाम्पा, महेश्वर दिवाकर उर्फ छोटे दाउ पिता कांशीराम दिवाकर उम्र 19 साल निवासी चरणनगर चाम्पा, अमीर मिरी उर्फ भोलू पिता मनोज मिरी उम्र 25 साल निवासी बिरगहनी थाना जांजगीर ।

03 किलो 500 ग्राम गांजा के साथ दुर्ग के 02 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा-निर्देश में नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान ''ऑपरेशन निश्चय'' के तहत मादक पदार्थो की तस्करी रोकने के साथ ही अवैध रूप से उनकी खरीदी-बिक्री करने वाले लोगों के संबंध में पतासाजी कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है।

जिसके तारतम्य में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं प्रभारी ए.सी.सी.यू. सहित थाना प्रभारियों द्वारा इस संबंध में सूचना संकलन कर मुखबीर लगाने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी जानकारी एकत्रित किए जा रहे है। इसी तारतम्य में 15.जनवरी 26 को थाना डी.डी. नगर पुलिस की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना डी.डी.नगर क्षेत्रांतर्गत सरोना स्थित शमशान घाट के पास नदी किनारे दो व्यक्ति गांजा रखें है तथा बिक्री की फिराक में है।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी डी.डी.नगर के नेतृत्व में थाना डी.डी.नगर पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों की पतासाजी कर चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम शुभांसु मिरचे एवं यादवेन्द्र यादव उर्फ बिट्टु पिता संजय यादव उम्र 19 साल निवासी जिला दुर्ग का होना बताये।

टीम के सदस्यों द्वारा उनके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में गांजा पाया गया। जिस पर दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 03 किलो 500 ग्राम गांजा कीमती लगभग 1,75,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना डी.डी. नगर में अपराध क्रमांक 35/2026 धारा 20बी, 29 नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

रायपुर में तेज रफ्तार कार दुकान में जा घुसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कैलाशपुरी इलाके में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दुकान में जा घुसी। घटना 16 जनवरी की रात साढ़े 8 बजे की है। हादसे के समय दुकान में मौजूद दुकानदार और उसका परिवार बाल-बाल बच गया, लेकिन दुकान का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों की भीड़ ने गुस्से में कार ड्राइवर की पिटाई कर दी और पुलिस को सौंप दिया।

बताया जा रहा है ड्राइवर नशे में नहीं था। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हादसे की सूचना पाते ही आसपास के लोग घटना स्थल पर जमा हो गए। भीड़ ने कार (क्रमांक सीजी 04 पी आर 8866) में मौजूद ड्राइवर को पकड़ लिया और आक्रोशित लोगों ने कथित रूप से उसकी पिटाई भी कर दी।

घर में मौजूद लोग दहशत में थे और चिल्लाते हुए मदद की गुहार लगाई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और कार को जब्त कर लिया गया है।

खाद्य विभाग की रेड, 7 करोड़ का धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। धान खरीदी के बीच राइस मिलों में कस्टम मिलिंग को लेकर लगातार गड़बड़ियां सामने आ रही है। इसी कड़ी में जांजगीर चांपा जिले के ग्राम नेगुडीह स्थित हरि राइस मिल में खाद्य विभाग की टीम ने छापामारी की। इस दौरान धान की रिकॉर्ड में गड़बड़ी पाई गई। मिल से 56 हजार 417 बोरी धान, जिसका कुल वजन 22 हजार 566 क्विंटल है और जिसकी कीमत लगभग 7 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सारा धान विभाग ने जब्त कर लिया है।

दरअसल यह कार्रवाई कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन पर की गई है। जिला खाद्य अधिकारी कौशल साहू ने बताया कि कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देशों के क्रम में यह कार्रवाई की गई। छापामारी के समय राइस मिल के प्रोपराइटर झामलाल साहू भी मौके पर मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान मिल के रिकॉर्ड रखने के तरीके में गंभीर गड़बड़ियां और मिल के संचालन में अनियमितताएं पाई गईं। जांच के बाद, मिलर से कुल 56 हजार 417 बोरी धान जब्त किया गया, जिसका वजन 22,566.80 क्विंटल था और जिसकी अनुमानित कीमत 7 करोड़ रुपये आंकी गई है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार, जिले भर में कोचियों, बिचौलियों और राइस मिलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। धान खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह से पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से नियमित सत्यापन जांच के साथ-साथ अचानक छापामार कार्रवाई भी की जा रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी परिस्थिति में अवैध धान को सरकारी समिति में धान खरीदी के दौरान खपाया न जा सके। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राजस्व, खाद्य, मंडी और सहकारिता विभागों की संयुक्त उड़नदस्ता टीम लगातार गश्त कर रही है। जो भी नियम विरुद्ध पाया जा रहा है, उस पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पंजाब से हेरोइन लाकर छत्तीसगढ़ में बेचने वाला तस्कर पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में हेरोइन बेचने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी पंजाब का रहने वाला है, जो पंजाब से हेरोइन मंगवाकर छत्तीसगढ़ में बेचता था। वहीं, दूसरा आरोपी यहीं रायपुर का रहने वाला है। 16 जनवरी को सूचना के बाद पुलिस आमानाका इलाके में पहुंची थी।

जहां दोनों तस्कर चाय दुकान के पास ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें वहीं से गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से कुल 25.27 ग्राम हेरोइन मिली है। जिसकी कीमत 2 लाख 67 हजार 700 रुपए है। नया बायपास बिलासपुर रोड स्थित वीर सिंह चाय ठेला के पास दो संदिग्ध व्यक्ति बाइक के साथ खड़े हैं। उनके पास अवैध मादक पदार्थ है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम गठित कर मौके पर दबिश दी और आरोपियों की घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पंजाब के तस्कर हरभजन सिंह को पूर्व में भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के आरोप में पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

कुनकुरी-तपकरा रोड पर बोलेरो-ट्रैक्टर में टक्कर तीन घायल

जशपुरनगर। जशपुर जिले के तपकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुनकुरी-तपकरा मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बोलेरो और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बोलेरो चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो और ट्रैक्टर दोनों ही काफी तेज गति से चल रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा।

तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवारों को कुचला, दो की मौत, 4 महीने पहले ही हुई थी युवक की शादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में शुक्रवार को सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हुई है। हादसा भिलाई तीन थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित पचपेड़ी गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। मृतकों की पहचान बोरसी हनोदा निवासी देवराज यादव (27) और उनके फूफा वीरेंद्र यादव (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि देवराज की शादी 4 महीने पहले ही हुई थी। देवराज यादव अपने ससुराल दशगात्र के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शुक्रवार शाम वह अपने फूफा के साथ बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था।

उसी दौरान पाटन की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों सवारों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

सूचना पर भिलाई तीन थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला का लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा गया।

पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवा चालक मौके से भागने में कामयाब रहा। मृतक के पिता ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि हादसे को अंजाम देने वाले हाईवा के ड्राइवर को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है।

बलौदाबाजार जिले में अवैध धान भंडारण के मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार जिले में कलेक्टर दीपक सोनी के दिशा-निर्देशानुसार जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने तथा बिचौलियों एवं अवैध व्यापारियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न तहसीलों में की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान बिचौलियों और फुटकर व्यापारियों से भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित धान जब्त किया गया है।

जिले के भाटापारा तहसील अंतर्गत ग्राम धुर्राबांधा में पुनीत पाल के निवास से 452 कट्टा (लगभग 180 क्विंटल) अवैध धान जब्त किया गया। संबंधित व्यक्ति द्वारा धान के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिस पर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की गई।

तहसील कसडोल अंतर्गत ग्राम कोमसरा में बिचौलिया व्यापारी मुरीतराम के पास से 22.40 क्विंटल तथा ग्राम खर्वे में बिचौलिया व्यापारी जगदीश के पास से 41 क्विंटल धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया, जिसे टीम द्वारा जब्त कर संबंधित ग्राम कोटवार के सुपुर्द किया गया। इसके अतिरिक्त कसडोल क्षेत्र के दो अन्य बिचौलियों के यहां दबिश देकर कुल 85 कट्टा धान जब्त किया गया तथा उनकी दुकानों को सील कर दिया गया है।

इसी प्रकार तहसील पलारी अंतर्गत ग्राम अमेरा में फुटकर व्यापारी विश्वनाथ पटेल से 12 क्विंटल, दर्शन पटेल से 11.20 क्विंटल तथा ग्राम पाहंदा में व्यापारी गजेन्द्र घृतलहरे से 12 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया। ग्राम लवन में फुटकर व्यापारी जगमोहन साहू के प्रतिष्ठान से 46 बोरी (18.40 क्विंटल) तथा रामखिलावन साहू के प्रतिष्ठान से 96 बोरी (38.40 क्विंटल) सहित कुल 56.80 क्विंटल धान जब्त किया गया। वहीं ग्राम नरधा में बिचौलिया घनश्याम, पिता भगतराम कोलता के पास से 36 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया।

धान की अवैध आवाजाही पर नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर निगरानी और सुदृढ़ की गई है। इसी क्रम में एसडीएम भाटापारा द्वारा सेमरिया घाट चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चेकपोस्ट रजिस्टर की प्रविष्टियों का मंडी जाने वाले वाहनों के अभिलेखों से मिलान किया गया तथा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को अवैध धान परिवहन को हर हाल में रोकने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

30 लाख की धोखाधड़ी मैनेजर व ब्रोकर गिरफ्तार

राजनांदगांव। सोमनी थाना क्षेत्र के न्यू लुक बायो फ्यूल्स कंपनी में फर्जी बिल के माध्यम से 30 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले कंपनी के एकाउंट मैनेजर व ब्रोकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 3 लाख 20 हजार रुपए नकद व लैपटॉप जब्त किया गया है। धोखाधड़ी की शिकायत कंपनी प्रबंधन की ओर से सोमनी थाने में की गई थी। आरोपी एकाउंट मैनेजर अमित कुमार गुप्ता और कंपनी में चावल सप्लाई करने वाले ब्रोकर दिलीप गोलछा ने अलग-अलग फर्म का बिल लगाकर कंपनी से करीब 30 लाख रुपए का आहरण कर धोखाधड़ी की थी। आरोपी अमित गुप्ता और दिलीप गोलछा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

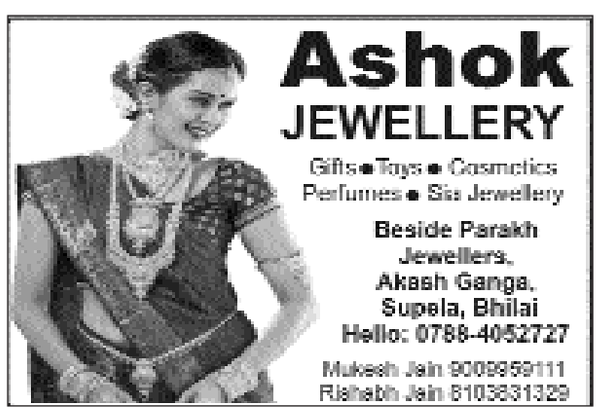

बस्तर अंचल का होगा चहुंमुखी विकास: मुख्यमंत्री साय

कांकेर जिले को 284 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की दी सौगात, बंग समाज के 135 ग्रामों की प्राथमिक शालाओं में नये शिक्षा सत्र से बांग्ला भाषा में शिक्षा प्रारंभ करने सहित कई घोषणाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि बस्तर अंचल का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और इसके बाद बस्तर अंचल में तेजी से विकास दृष्टिगोचर होगा। मुख्यमंत्री साय कांकेर जिले पखांजूर में आयोजित कार्यक्रम में 284 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नेताजी सुभाष स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में परलकोट क्षेत्रवासियों के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं भी की गई, जिनमें नए शिक्षा सत्र से बंग समाज के 135 ग्रामों की प्राथमिक शालाओं में नये शिक्षा सत्र से बांग्ला भाषा में शिक्षा प्रारंभ करने की घोषणा की।

उन्होंने संबलपुर से दुर्गाकोंदल होते हुए पखांजूर तक सड़क निर्माण, पखांजूर के मंडी गेट से अंजाड़ी नाला तक गौरवपथ, मछली मार्केट पखांजूर से नर-नारायण सेवा आश्रम तक सीसी सड़क, शासकीय कन्या शाला मैदान में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण, पखांजूर में फायर ब्रिगेड वाहन सेवा शुरू करने तथा सिविल अस्पताल पखांजूर में धनवंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने जनसमुदाय को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार प्रशासनिक कार्यों में स्वच्छता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने की इच्छा शक्ति के साथ लगातार विकास की ओर आगे बढ़ रही है। श्री साय ने बताया कि प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों का अनुसरण करते हुए प्रदेश सरकार तेजी से कार्य कर रही है। दो साल की अल्पावधि में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास की स्वीकृति दी है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 08 लाख हितग्राहियों ने गृह प्रवेश भी कर लिया है। इसी तरह महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में नियद नेल्लानार, धरती आबा अभियान, पीएम जनमन जैसी अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही है, जिससे विकास कार्यो कों गति मिली है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना को पुन: प्रारंभ किया गया। मेहनतकश किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। कार्यक्रम को कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग अंतागढ़ विधायकविक्रमदेव उसेण्डी ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री साय ने नर नारायण सेवा आश्रम पहुंचे और वहां पूजा अर्चना कर तथा प्रदेशवासियों की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है ध्येय से स्थापित किए गए इस आश्रम में आस्था और परंपरा को आगे बढ़ाने का पुण्य कार्य किया जा रहा है। उन्होंने वहां आश्रम के संस्थापक स्वामी सत्यानंद परमहंस के तैलचित्र एवं प्रतिमा का विधिविधानपूर्वक पूजन किया। इसके पश्चात वे पखांजूर के मुख्य मार्ग पर स्थित परकोट विद्रोह के क्रांतिकारी शहीद गैंद सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी शहादत को नमन किया।

इस अवसर पर विधायक आशाराम नेताम, राज्य हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, पूर्व सांसद मोहन मण्डावी, पूर्व विधायक मंतूराम पवार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

मोरध्वज आरंग महोत्सव 2026 का भव्य समापन मुख्यमंत्री ने विकास से जुड़ी अहम घोषणाएं कीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजा मोरध्वज की त्याग, धर्म और सत्यनिष्ठा की गौरवगाथा को समर्पित मोरध्वज आरंग महोत्सव-2026 का समापन समारोह ऐतिहासिक गरिमा और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राजा मोरध्वज का जीवन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों का अमर प्रतीक है, जो आज भी समाज को सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आरंग की यह पुण्यभूमि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के चरण-स्पर्श से तथा द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों से अनुप्राणित रही है। उन्होंने बागेश्वर बाबा में विधिवत जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और सतत विकास की कामना की।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने वाली कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने समोदा उप तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा देने और वहाँ पूर्णकालिक तहसीलदार की पदस्थापना की घोषणा की। इसके साथ ही मोरध्वज महोत्सव के लिए दिए जाने वाले शासकीय अनुदान को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में प्रस्तावित खेल परिसर सहित अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मोदी की गारंटी के अनुरूप जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को सरकार की विकास नीति का प्रमुख आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि संवेदनशील शासन, त्वरित निर्णय और जनता से सीधा संवाद ही सरकार की पहचान है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सैंड आर्टिस्ट हेमचंद साहू को रेत से भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम एवं भगवान बागेश्वरनाथ की दिव्य आकृतियाँ उकेरने के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कलाकार की सृजनशीलता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उत्कृष्ट कला न केवल हमारी आस्था और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करती है, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान को भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्रदान करती है। उन्होंने कलाकार को भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी कला के माध्यम से प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। समापन अवसर पर जनप्रतिनिधियों, साधु-संतों, मातृशक्ति, युवाओं एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों की सहभागिता ने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति को सफल और भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए प्रदेशवासियों को मोरध्वज महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, गुरु बालकदास साहेब, सांसद विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, विधायक इंद्रकुमार साहू, मोतीलाल साहू, रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लोगों से अच्छा व्यवहार रखकर ईमानदारी से करें काम: उप मुख्यमंत्री अरूण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने आज व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयनित 44 नए हैंडपंप तकनीशियनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। श्री साव ने नवनियुक्त तकनीशियनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री साव ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में पेयजल समस्याओं के निदान के लिए नया नंबर 1916 जारी किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवनियुक्त तकनीशियनों को नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज से आपके नए जीवन की शुरुआत हो रही है, आप अपने सपनों को सच होते देख रहे हैं। घरवाले बेसब्री से आपकी राह देख रहे होंगे, आज आप शासकीय नौकरी की नियुक्ति पत्र लेकर घर लौटेंगे। यह आप सभी के लिए भावुक पल है। उन्होंने कहा कि यह आपकी मंज़िल नहीं है। आपको जीवन का पड़ाव मिला है। आपको बहुत दूर तक जाना है।

जीवन के अनेक सोपान तय करना है। यहां से आपके लिए नई जिम्मेदारी, नई चुनौती, नया फील्ड एवं नया परिवेश मिलने वाला है।ऐसे में आपको खुदको मानसिक रूप से तैयार करना है। श्री साव ने कहा कि शासकीय नौकरी, सपनों को साकार करने की दिशा में पहला कदम है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने समारोह में कहा कि 29 हजार से ज्यादा नल जल योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 7000 से अधिक पूर्ण हो चुकी हैं।

आप सभी विभाग के ग्राउंड रूट के हिस्से होंगे, इसलिए नए तकनीशियन फील्ड में प्रदेशवासियों की सेवा में पूरे समर्पण से कार्य करें। कार्यक्रम को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी ने भी सम्बोधित किया।

सीपीआरआई का 66वां स्थापना दिवस गरिमामय समारोह के साथ संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीआरआई) द्वारा आज नवा रायपुर स्थित रीजनल टेस्टिंग लेबोरेटरी परिसर में अपना 66वाँ स्थापना दिवस गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पावर कंपनियों सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजीव कुमार कत्यार थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीटीसीएल) के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ल, सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता अनिल कुमार कैन, सीएसपीडीसीएल के कार्यकारी निदेशक जे.एस. नेताम एवं नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) की प्रबंधक (प्रशासन) संगीता अग्रवाल उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत सीपीआरआई रायपुर के यूनिट हेड अभय खैरवार द्वारा किया गया। उन्होंने सीपीआरआई की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा, आधुनिक परीक्षण सुविधाओं, अनुसंधान उपलब्धियों तथा विद्युत क्षेत्र में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीते 66 वर्षों में सीपीआरआई ने

विश्वसनीय परीक्षण एवं प्रमाणन सेवाओं के माध्यम से भारतीय पावर सेक्टर को सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने ऊर्जा उत्पादन, वितरण और प्रसारण क्षेत्रों में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों, नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार तथा परीक्षण एवं शोध की बढ़ती आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने सीपीआरआई की भूमिका की सराहना करते हुए इसे भारतीय विद्युत क्षेत्र की तकनीकी रीढ़ बताया।

समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। 'राम आएंगे' गीत पर अदीरा पटेल, 'वंदे मातरम' गीत पर अन्वी पटेल की प्रस्तुति एवं छत्तीसगढ़ी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, कलाकारों एवं प्रस्तोताओं का सम्मान किया गया। इसके पश्चात जलपान का आयोजन किया गया तथा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक चेतना को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में निर्णायक कदम

'रायपुर साहित्य उत्सव 2026' की तैयारियों का कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर सशक्त पहचान दिलाने के उद्देश्य से 23 से 25 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित होने वाले 'रायपुर साहित्य उत्सव 2026' की तैयारियों का जायज़ा लेने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं आयुक्त जनसंपर्क डॉ. रवि मित्तल ने आज आयोजन स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्टॉल, मुख्य मंच, साहित्यिक सत्रों के स्थल, फूड ज़ोन, पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं दर्शक सुविधाओं सहित समस्त व्यवस्थाओं को समयबद्ध और सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप सहित आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

'रायपुर साहित्य उत्सव' के प्रतिष्ठित साहित्यिक आयोजन का केंद्रीय विचार 'आदि से अनादि तक' है, जो भारतीय साहित्य की निरंतर, जीवंत और विकसित होती परंपरा को रेखांकित करता है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव साहित्य, विचार और संस्कृति के संगम का उत्सव है। उन्होंने निर्देशित किया कि आगंतुकों को सहज, सुरक्षित और यादगार अनुभव मिले, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ उच्च गुणवत्ता की हों। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में बच्चों, युवाओं, शिक्षकों, लेखकों और आम पाठकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को साहित्य, विचार और संस्कृति से जोड़ना इस उत्सव का प्रमुख उद्देश्य है।

तीन दिनों तक पुरखौती मुक्तांगन साहित्यिक संवाद, पुस्तक विमोचन, विचार-मंथन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कला-प्रदर्शनियों का जीवंत केंद्र बनेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय साहित्यिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रायपुर साहित्य उत्सव2026 में देश के विभिन्न हिस्सों से आए ख्यातिप्राप्त साहित्यकार, कवि, लेखक, पत्रकार, विचारक और युवा रचनाकार एक मंच पर संवाद करते नज़र आएँगे। कार्यक्रम के दौरान साहित्यिक सत्रों के साथ-साथ खुले संवाद, समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श और रचनात्मक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएँगी।

यह मंच लेखकों और पाठकों के बीच सीधे संवाद को प्रोत्साहित करेगा। रायपुर साहित्य उत्सव में विशेष रूप से 'चाणक्य' नाटक का मंचन किया जाएगा, जो भारतीय बौद्धिक परंपरा और नाट्यकला का प्रभावशाली उदाहरण होगा। इसके साथ ही लोकनृत्य, लोकगीत और छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को राज्य की जीवंत लोकसंस्कृति से रूबरू कराया जाएगा।

युवाओं और बच्चों को मिलेगा सशक्त मंच

उत्सव की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें नई पीढ़ी को विशेष रूप से केंद्र में रखा गया है। रायपुर जिले के स्कूली बच्चों द्वारा स्वलिखित कविताओं, कहानियों एवं अन्य रचनाओं पर आधारित पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। साथ ही बच्चों और युवाओं के लिए ओपन माइक जैसे मंच उपलब्ध कराए जाएँगे, जहाँ वे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। युवाओं में आयोजन को लेकर खासा उत्साह है—अब तक 4,000 से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। उत्सव के दौरान लगभग 40 स्टॉल्स के साथ एक भव्य पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित प्रकाशकों की पुस्तकें प्रदर्शित की जायेंगी एवं विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगी।

छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल बनाएगा सर्वसुविधायुक्त पर्यटन: आवासीय परिसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 'शिमला' नाम से प्रसिद्ध मैनपाट में पर्यटन सुविधाओं और आवासीय विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार द्वारा मैनपाट में 4.80 हेक्टर (12 एकड़) भूमि अटल विहार योजना हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आवंटित की गई है।

मैनपाट में 4.80 हेक्टेयर भूमि आवंटित, पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि इस भूमि पर आधुनिक एवं बहुउपयोगी पर्यटनङ्कआवासीय परिसर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित होने वाली यह परियोजना मैनपाट आने वाले पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती ठहराव उपलब्ध कराएगी।

श्री सिंह देव ने कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के सक्रिय प्रयासों से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि मैनपाट में लगातार बढ़ते पर्यटक आगमन को देखते हुए इस तरह की सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। प्रस्तावित परिसर में आधुनिक वेलनेस एवं मनोरंजन सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। श्री सिंह देव ने बताया कि परियोजना में केरल मॉडल पर आधारित वेलनेस सेंटर, प्राकृतिक पंचकर्म चिकित्सा, हर्बल स्पा और आयुष सेवाएं प्रस्तावित हैं। साथ ही 24म7 क्लब हाउस, मिलेट्स कैफे, जिम, स्विमिंग पूल, किड्स प्ले एरिया, स्टीम बाथ और एंटरटेनमेंट ज़ोन विकसित किए जाएंगे। पर्यावरण अनुकूल विकास के तहत ट्री हाउस, कॉटेज और स्थानीय जीवन एवं संस्कृति का अनुभव कराने वाला सांस्कृतिक क्षेत्र भी शामिल होगा।

उन्होंने कहा कि परियोजना से मैनपाट में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नई संभावनाएं खुलेंगी। गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से पर्यटकों का ठहराव समय बढ़ेगा, जो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मैनपाट छत्तीसगढ़ का विशिष्ट एवं उभरता हुआ पर्यटन गंतव्य है। तेजी से बढ़ रही पर्यटक संख्या को देखते हुए यहाँ आधुनिक सुविधाओं का विकास अत्यावश्यक है। हाउसिंग बोर्ड की यह पहल पर्यटन, आवास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी तथा मैनपाट को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने परियोजना को छत्तीसगढ़ के पर्यटन विस्तार के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के विकास से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा और राज्य का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर मजबूत होगा। सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो ने इसे मैनपाट के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह परियोजना स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं व्यापार के अवसर उपलब्ध कराएगी और क्षेत्र की पहचान को नई ऊँचाई देगी।

अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ में पर्यटन आवास विकास के क्षेत्र में गृह निर्माण मंडल की ऐतिहासिक भूमिका को मजबूत करेगी और भविष्य में मैनपाट को एक प्रमुख राष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का आधार बनेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950